लखनऊ

मंगलवार, 24 सितम्बर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 74

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

युवाओं को मेरा सन्देश है कि अलग तरीके से सोचें, कुछ नया करने का प्रयत्न करें, अपना रास्ता खुद बनायें, असंभव को हासिल करें। - एपीजे अब्दुल कलाम

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
33°	27°
Hi	Low

संक्षेप

इजराइल और हिजबुल्लाह की लड़ाई से पूरी क्षेत्रीय युद्ध का डर: मिस्र के विदेश मंत्री

मिस्र। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी युद्ध को लेकर रविवार को मिस्र के विदेश मंत्री ने चेतावनी दी है। उनका कहना है कि दोनों के बीच लड़ाई के तेज होने के कारण व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का जोखिम बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में तेजी ने गाजा युद्धविराम वार्ता को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने संयुक्त राष्ट्र में विश्व नेताओं की वार्षिक सभा से पहले ये बात कही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के एक समूह ने इजराइल और हिजबुल्लाह से इस कगार से पीछे हटने का आह्वान किया। अब्देलती ने कहा कि मिस्र, कतर और अमेरिका के साथ युद्धविराम समझौते पर मध्यस्थता जारी रखने के लिए संकल्पित है। बद्र अब्देलती ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कहा, 'इस बात को लेकर बहुत चिंता है कि इस क्षेत्र में एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध की संभावना बढ़ सकती है।' उन्होंने कहा कि हिंसा में ताजा वृद्धि ने युद्धविराम वार्ता को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, 'लेकिन मिस्र, कतर और अमेरिका के साथ, युद्ध विराम समझौते के लिए मध्यस्थता करने के प्रयासों को जारी रखने के लिए पूर्ण दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता रखता है।' कतर, मिस्र और अमेरिका ने महीनों से गाजा में युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते को सुरक्षित करने की कोशिश की है। जिसके बारे में राजनयिकों ने बार-बार कहा है कि इससे क्षेत्रीय तनाव को शांत करने में मदद मिलेगी। अब्देलती ने कहा, 'सौदे के सभी घटक तैयार हैं। समस्या यह है कि इजराइल की ओर से राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है।' अब्देलती ने हमास के सहयोगी हिजबुल्लाह के साथ लड़ाई तेज होने के लिए इजराइल की आक्रामक नीतियों को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'हम अमेरिका सहित अपने क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों से बातचीत कर रहे हैं।

अगर हिजबुल्लाह नहीं समझा तोनसरल्लाह को इजराइल के यूपी नेतन्याहू की सीधी चेतावनी

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि तेल अवीव ने हाल के दिनों में लेबनान में सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह पर ऐसे हमले किए हैं, जिनकी वह कल्पना भी नहीं कर सकता था। रॉयटर्स ने नेतन्याहू के हवाले से कहा कि अगर हिजबुल्लाह ने संदेश नहीं समझा है, तो मैं आपसे वादा करता हूं कि वह संदेश को समझेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इजराइल ने लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है, जिसमें इजराइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान के दक्षिण में लगभग एक साल के युद्ध में सबसे बड़ी बमबारी की है। हिजबुल्लाह ने भी जवाबी हमला किया और इजराइल के उत्तर में सैन्य ठिकानों पर रॉकेट हमलों का दावा किया। इजराइली सेना ने कहा कि उसने शनिवार को लगभग 290 ठिकानों पर हमला किया, जिसमें हजारों हिजबुल्लाह रॉकेट लॉन्चर बैरल शामिल थे। उन्होंने कहा कि वह ईरान समर्थित आंदोलन के ठिकानों पर हमला करना जारी रखेगी। शुक्रवार को इससे पहले, लेबनान की राजधानी बेरूत के एक उपनगर में इजराइली हवाई हमलों में हिजबुल्लाह कमांडरों सहित कम से कम 37 लोग मारे गए।

विपक्ष पर बरसे सीएम योगी, कहा- जाति का खेल खेलने वालों को विकास अच्छा नहीं लगता

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मीरजापुर में 127 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे न केवल लोगों को ताजा पानी मिलेगा, बल्कि जल जनित बीमारियों को खत्म करने के लिए भी योजनाओं के नये मानक स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। यूपी सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि पहले योजनाओं को ठीक से लागू नहीं किया जाता था, उन्होंने दावा किया कि कुछ योजनाओं का लाभ किसे मिलेगा, इसमें भेदभाव था।

योगी ने कहा कि मौजूदा सरकार में सब कुछ बदल गया है और सभी योजनाओं से गरीबों, किसानों और महिलाओं को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि मीरजापुर की पहचान माँ विंध्यवासिनी का पावन धाम आज भव्य और दिव्य रूप ले चुका है। उन्होंने आदे कहा कि मीरजापुर में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो चुका है। माँ विंध्यवासिनी के धाम में विश्वविद्यालय निर्माण के कार्यक्रम को हम लोगों ने आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, पेयजल हो, कनेक्टिविटी हो या तकनीकी शिक्षा...आपके जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए ये परियोजनाएं आपको उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

विपक्ष पर वार करते हुए योगी ने कहा कि जाति का खेल खेलने वालों को विकास अच्छा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले माफिया सक्रिय थे और समानांतर सरकार चला रहे थे। प्रशासन सैल्यूट करने को मजबूर था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आज ये माफिया गिड़गिड़ा रहे हैं। जो लोग जाति का नंगा खेल खेलते हैं, समाज को लड़ाते हैं. ये वही लोग हैं, जो दंगाइयों के सामने नाक रगड़ते थे। जब प्रदेश आगे बढ़ रहा है तो इन्हें विकास कैसे अच्छा लग सकता है? ये लोग बैरियर लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 साल पहले मिर्ज़ापुर जिला कनेक्टिविटी से अछूता था, गरीबों को लाभ नहीं मिलता था, पवित्र शक्तिपीठ और सड़कों की क्या हालत थी, गुंडों और माफियाओं का राज था, ये किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि साढ़े 7 साल में आपने मिर्ज़ापुर को बदलते देखा है, आज विंध्यवासिनी का पवित्र स्थान भव्य और दिव्य रूप में बन रहा है, पहले नवरात्रि में संकरी गलियों में डर लगता था, लेकिन अब नवरात्रि में आसानी से दर्शन होंगे, क्या ये पहले नहीं किया जा सकता था।

जाति जनगणना बोलने तक से डरते हैं मोदी, आरक्षण की सीमा 50% से बढ़ाकर रहेंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर आरक्षण का मुद्दा उठाया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बहुजन विरोधी बीजेपी चाहे कितना भी झूठ फैला ले – हम आरक्षण पर आंच तक नहीं आने देंगे।

राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर बीजेपी को घेरते हुए कहा, मोदी जी 'जाति जनगणना' बोलने तक से डरते हैं, वो नहीं चाहते हैं कि बहुजनों को उनका हक मिल।

राहुल गांधी की क्या मांग

राहुल गांधी ने पोस्ट करते हुए कहा, हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक – एक विस्तृत जाति जनगणना न हो जाए – आरक्षण पर से 50% की सीमा हटा कर हर वर्ग को उनका हक़, हिस्सेदारी और न्याय न मिल जाए – जनगणना से प्राप्त जानकारी भविष्य की नीतियों का आधार न बन जाएं। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के समय से ही जाति जनगणना चुनाव के समय से उठा रखा है। उन्होंने कहा, मैं फिर से दोहराता हूं मेरे लिए यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बहुजनों को न्याय दिलाना ही मेरे जीवन का मिशन है।

राहुल गांधी ने वीडियो की शेयर

राहुल गांधी ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर की। जिसमें उनके कई अलग शहरों और विदेश में समय-समय पर आरक्षण को लेकर जो बयान दिए उन क्लिप का एक वीडियो है। राहुल गांधी की इस वीडियो में उनके आरक्षण को लेकर बीजेपी को घेरते हुए 12 अप्रैल साल 2023 में दिए गए बयान से लेकर आज तक के बयानों का एक वीडियो है। जिसमें आखिर में उनके उस बयान का क्लिप जोड़ा गया है जिसमें उन्होंने 24 अगस्त 2024 को प्रयागराज में कहा, अगर प्रधानमंत्री आरक्षण के लिए कदम नहीं उठाएंगे तो कोई दूसरा प्रधानमंत्री आकर यह करेगा।

अमित शाह ने साधा निशाना

बीजेपी के दिग्गज नेता अमित शाह ने हाल ही में राहुल गांधी पर आरक्षण को लेकर निशाना साधा। जम्मू-कश्मीर में जनता को संबोधित करते हुए अमित शाह ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया, राहुल गांधी आरक्षण हटाना चाहते हैं, उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा कि पहाड़ियों को अब आरक्षण नहीं चाहिए। अमित शाह ने कहा, राहुल बाबा हम तुम्हें आरक्षण हटाने नहीं देंगे।

जम्मू-कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला का 1 लाख रोजगार का वादा

नई दिल्ली, एजेंसी। बेरोजगारी ऐसा मुद्दा है जिसको लेकर अक्सर विपक्षी पार्टियों की ओर से मोदी सरकार पर निशाना साधा जाता रहा है। कांग्रेस अक्सर केंद्र सरकार पर रोजगार को लेकर निशाना साधती रहती है। अब फारूक अब्दुल्ला ने भी जम्मू कश्मीर में नौकरी के मुद्दे को रेखांकित किया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने होने के बाद, हमारी ज़मीनें और नौकरियां हमसे छीनी जा रही हैं। दूसरे राज्यों के लोगों को यहां नौकरियां दी जा रही हैं। यह आपकी ज़मीन है और आपके बच्चों को ये नौकरियां मिलनी चाहिए। हम वादा करते हैं कि हम 1 लाख युवाओं को रोजगार देंगे।

इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से गठंबधन किया है ताकि लोगों को विकल्प दिया जा सके और त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति से बचा जा सके। गठबंधन में सीट बंटवारा समझौते के अनुसार, नेकां 51 सीट पर और कांग्रेस 32 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि एक सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को दी गई है। बाकी की छह सीट पर कांग्रेस और नेकां के बीच 'दोस्ताना मुकाबला' हो रहा है।

जम्मू कश्मीर के वोटिंग प्रतिशत को लेकर अब्दुल्ला ने कहा कि कुछ ऐसे क्षेत्र थे जहां मतदान प्रतिशत 2014 से कम रहा। उदाहरण के लिए नूराबाद (अब डी एच पोरा) खंड में 2014 में 80 प्रतिशत मतदान हुआ था, लेकिन इस बार यह 20 प्रतिशत कम (68 प्रतिशत) था। वर्तमान सरकार को इस बारे में सोचना होगा कि इस बार कोई बहिष्कार नहीं होने के बावजूद ऐसा क्यों हुआ, लेकिन उनके अनुसार सब कुछ सामान्य है।

भाजपा पर बरसे हेमंत सोरेन, कहा- जाति और धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। तोरपा में 'आपकी सरकार आपके द्वार 2024 कार्यक्रम' में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। हेमंत सोरेन ने कहा कि बीजेपी वोट लूटने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को झारखंड में प्रवेश कराने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि उनके बड़े-बड़े नेता यहां आ रहे हैं और वे लोगों को जाति और धर्म के आधार पर बांटने में माहिर हैं, लेकिन हमारी एकता और यह बहादुर राज्य कभी किसी के सामने नहीं झुका है। उन्होंन लोगों से साफ तौर पर कहा कि आपको किसी से डरने की जरूरत नहीं है। वहीं, एक्स पोस्ट में हेमंत ने लिखा कि आज आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत खूंटी में खूंटी और सिमडेगा जिले की जनता के बीच शामिल हुआ। इस अवसर पर परिसंपत्तियों के वितरण के साथ-साथ योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने का भी अवसर मिला। 2021 में खूंटी की वीर भूमि उलिहातु से ही हमने आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। आज इस कार्यक्रम के चौथे चरण में हम सभी हैं। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने 2019 में हमें जो जिम्मेदारी दी, उसका निर्वहन हम लोग कर रहे हैं। आप सभी ने मुझे राज्य का मुखिया बनाया। 2019 से लेकर अब तक कई चुनौतियां हमने देखी है।

कांग्रेस अच्छे दिन आने पर दलितों को करती है दरकिनार : मायावती

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती का कहा है कि कांग्रेस बुरे दिन में दलितों को प्रमुख स्थान देती है और अच्छे दिन आने पर दरकिनार कर देती है।

मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश में अभी तक के हुए राजनीतिक घटनाक्रमों से यह साबित होता है कि खासकर कांग्रेस व अन्य जातिवादी पार्टियों को अपने बुरे दिनों में तो कुछ समय के लिए इनको दलितों को मुख्यमंत्री व संगठन आदि के प्रमुख स्थानों पर रखने की जरूर याद आती है। लेकिन ये पार्टियां, अपने अच्छे दिनों में, फिर इनको अधिकांशतः दरकिनार ही कर देती हैं। इनके स्थान पर, फिर उन पदों पर जातिवादी लोगों को ही रखा जाता है, जैसा कि अभी हरियाणा प्रदेश में भी देखने के लिए मिल रहा है।

आगे कहा, ऐसे अपमानित हो रहे दलित नेताओं को अपने मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर से प्रेरणा लेकर इन्हें खुद ही ऐसी पार्टियों से अलग हो जाना चाहिए तथा अपने समाज को फिर ऐसी पार्टियों से दूर रखने के लिए उन्हें आगे भी आना चाहिए। क्योंकि परम पूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने देश के कमजोर वर्गों के आत्मसम्मान व स्वाभिमान की वजह से अपने केंद्रीय कानून मंत्री पद से इस्तीफा भी दे दिया था। जिनसे प्रेरित होकर फिर मैंने भी जिला सहारनपुर के दलित उत्पीडन के मामले में इसकी हुई उपेक्षा तथा ना बोलने देने की स्थिति में, फिर मैंने इनके सम्मान व स्वाभिमान में अपने राज्यसभा सांसद से इस्तीफा भी दे दिया था। ऐसे में दलितों को बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलने की ही सलाह है।उन्होंने कहा कि इसके अलावा, कांग्रेस व अन्य जातिवादी पार्टियां शुरू से ही इनके आरक्षण के भी विरूद्ध रही हैं। राहुल गांधी ने तो विदेश में जाकर इसको खत्म करने का ही ऐलान कर दिया है। ऐसी संविधान, आरक्षण व एससी, एसटी, ओबीसी विरोधी पार्टियों से ये लोग जरूर सचेत रहें।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर सुप्रीमकोर्ट का बड़ा फैसला

इसे देखना या डाउनलोड करना अपराध, हाईकोर्ट का निर्णय पलटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी को डाउनलोड करना या देखना पोक्सो अधिनियम के तहत अपराध है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। याचिका में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें कहा गया था है कि केवल बाल पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पोक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत अपराध नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' शब्द को 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' से बदलने के लिए एक अध्यादेश जारी करने का सुझाव दिया। शीर्ष अदालत ने सभी अदालतों को यह भी निर्देश दिया है कि वे अब 'चाइल्ड पोर्नोग्राफीट शब्द का उपयोग न करें।

जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि हमने दोषियों के मनों की स्थिति की धारणाओं पर सभी प्रासंगिक प्रावधानों को समझाने के लिए अपने तरीके से प्रयास किया है और दिशानिर्देश भी निर्धारित किए हैं। हमने केंद्र से यह भी अनुरोध किया है कि बाल अश्लीलता के स्थान पर बाल यौन शोषण संबंधी सामग्री लाने के लिए एक अध्यादेश जारी किया जाए। हमने सभी उच्च न्यायालयों से कहा है कि वे चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द का इस्तेमाल न करें।

बता दें इससे पहले केरल हाईकोर्ट ने 13 सितंबर 2023 को एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि अगर कोई व्यक्ति निजी तौर पर अश्लील फोटो या वीडियो देख रहा है तो यह अपराध नहीं है, लेकिन अगर दूसरे को दिखा रहा है तो यह गैरकानूनी होगा। दरअसल पहले केरल हाईकोर्ट और फिर उसी के आधार पर मद्रास हाईकोर्ट में एक आरोपी के दोष मुक्त हो जाने पर एक ह्रत्रह ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और याचिका लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 12 अगस्त को इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

केजरीवाल की कुर्सी पर नहीं बैठीं आतिशी, संभाली दिल्ली के CM की कमान

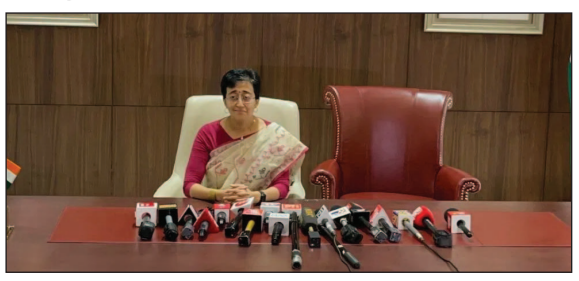

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सीएम पद की कमान संभाल ली है। सीएम आतिशी आज पहली बार दिल्ली सचिवालय पहुंची, लेकिन सीएम आतिशी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की कुर्सी पर नहीं बैठीं। सीएम आतिशी सचिवालय अपनी एक कुर्सी लेकर पहुंची और वो उसी कुर्सी पर बैठीं जोकि सफेद रंग की है। उनकी कुर्सी के साथ ही दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की लाल रंग की कुर्सी रखी हुई है।

सीएम आतिशी ने कहा, आज मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला लिया है। आज मेरे मन की वैसी ही व्यथा है जोकि भरत जी की थी, जिस तरह से भरत जी ने भगवान श्रीराम के खड़ाऊं रखकर काम किया वैसे ही मैं अगले 4 महीने मुख्यमंत्री का पद संभालूंगी।

"यह कुर्सी केजरीवाल जी की है"

सीएम आतिशी ने कहा, पिछले 2 साल से बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल पर कीचड़ उछालने में कोई कसर नहीं छोड़ी, 6 महीने के लिए उन्हें जेल में डाला। कोर्ट ने भी कहा कि अरविंद केजरीवाल को एजेंसी ने दुर्भावना से गिरफ्तार किया। आतिशी ने आगे कहा, यह कुर्सी अरविंद केजरीवाल जी की है, मुझे भरोसा है कि फरवरी में होने वाले चुनाव में दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल जी को जीताकर फिर से मुख्यमंत्री बनाएगी। तब तक अरविंद केजरीवाल जी की ये कुर्सी यहीं रहेगी।

आतिशी ने आगे कहा, अपने भरोसे के साथ विश्वास के साथ हम एक बार फिर से अरविंद केजीरवाल जी को इस कुर्सी पर बैठाएंगे और तब तक यह कुर्सी इसी कमरे में रहेगी।

केजरीवाल ने दिया इस्तीफा

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कथित शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद थे, जिसके बाद 13 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत दी. तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल ने एक ऐसा ऐलान किया जिसने सब को हैरान कर दिया. केजरीवाल ने 15 सितंबर को कहा वो अगले दो दिन में सीएम पद से इस्तीफा दे देंगे. केजरीवाल ने 17 सितंबर को इस्तीफा दिया और पार्टी की कमान उनकी जगह आतिशी ने संभाली.

"सीएम की कुर्सी केजरीवाल की है"

सीएम आतिशी ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने ईमानदारी की एक मिसाल कायम की है। पिछले 2 साल से बीजेपी ने केजरीवाल की इमेज को खराब करने की हर मुमकिन कोशिश की है। उन पर झूठे आरोप लगाए, उन्हें पूरे 6 महीने के लिए जेल भेज दिया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, जब तक दिल्ली की जनता उनको ईमानदार नहीं मान लेती वो सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। इसी के चलते उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी अरविंद केजरीवाल की है। मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता सीएम केजरीवाल को एक बार फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाएगी।

बीजेपी ने किया आतिशी पर हमला

मुख्यमंत्री की कमान संभालने के बाद भी सीएम आतिशी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठीं और अपनी कुर्सी लेकर सचिवालय पहुंची, इस पर अब बीजेपी का रिएक्शन सामने आने लगा है। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने आतिशी पर निशाना साधते हुए कहा, दिल्ली में ये ड्रामा बंद होना चाहिए, आज आतिशी मार्लेना ने अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी के बगल में एक खाली कुर्सी रखकर पदभार संभाला। यानी आतिशी दिल्ली सरकार की मनमोहन सिंह हैं और असली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने फाइल साइन करना तो दूर, दिल्ली सचिवालय जाने से भी रोक दिया है।

उन्होंने आगे कहा, ये बाबा साहब के बनाए संविधान का मखौल है। मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ मार्लेना ने ली है, खाली कुर्सी पर बैठे केजरीवाल के भूत ने नहीं।

सोनिया गांधी को लेकर दिए गए बयान पर बुरी फंसी कंगना रनौत, विक्रमादित्य सिंह बोले- माफी मांगें वरना...

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ उनके बयान के लिए भाजपा सांसद कंगना रनौत की आलोचना की। कांग्रेस ने साफ तौर पर उनसे माफी की मांग की है। इतना ही नहीं, हिमाचल कांग्रेस ने कंगना रनौत को अपनी टिप्पणियों पर कानूनी कार्रवाई का सामना करने की चुनौती दी। यह तब आया है जब रनौत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश सरकार ने ऋण लिया और पैसा सोनिया गांधी को भेज दिया। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हम एक सांसद के रूप में कंगना जी (मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत) का सम्मान करते हैं।

नवरात्रि में प्रदेश के सभी देवी मंदिरों में होंगे भव्य आयोजन

सीएम ने नवरात्रि को मिशन शक्ति अभियान को समर्पित करने के दिये हैं निर्देश

» महिलाओं और बालिकाओं की सहभागिता से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगी योगी सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संस्कृति विभाग आगामी नवरात्रि पर्व पर भव्य आयोजन की तैयारी में जुट गया है। प्रदेशभर के सभी देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में विविध सांस्कृतिक आयोजन होंगे। बता दें कि प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए विशेष अभियान ₹मिशन शक्ति₹ चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संस्कृति विभाग द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सहभागिता के साथ प्रदेश में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये हैं।

जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर पर गठित होगी समिति

संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार आगामी शारदीय नवरात्रि में 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक प्रदेश के देवी मन्दिरों एवं शक्तिपीठों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए महिला सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा लागू किये गये कानूनों का वृहद प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अलावा अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर प्रमुख शक्तिपीठ मन्दिरों में सामाजिक मूल्यों व राष्ट्रीय मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनसामान्य को इससे जोड़ते हुए रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए गतवर्ष की भांति प्रत्येक जनपद में जनपद स्तरीय, तहसील स्तरीय एवं विकास खण्ड स्तरीय समिति का गठन करते हुए कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा।

मिशन शक्ति के अनुरूप होगी स्थानीय जनसहभागिता

उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों द्वारा अपने जनपद में चयनित देवी मन्दिरों, शक्तिपीठों में स्थानीय लोक कालाकारों, भजन मंडलियों, कीर्तन मंडलियों का चयन अपनी अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जायेगा, जिसका समन्वय संस्कृति विभाग एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा किया जाएगा। समस्त कार्यक्रम ₹मिशन शक्ति₹ के अनुरूप स्थानीय जनसहभागिता के साथ आयोजित किये जाएंगे। स्थानीय कलाकारों का चयन संस्कृति विभाग की ई-डायरेक्ट्री से किया जा सकता है।

हर जरूरी व्यवस्था कर ली जाए मुकम्मल

प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेय जल, सुरक्षा, ध्वनि, प्रकाश एवं दरी-बिछावन आदि की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा ससमय सुनिश्चित करा ली जाये तथा सभी आयोजन स्थलों पर सक्षम स्तर पर अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए आयोजन सुनिश्चित कराये जाये। इसके अलावा महत्वपूर्ण देवी मन्दिरों और शक्तिपीठों का चयन करते हुए सम्बन्धित आयोजन स्थल का पता, फोटो, जीपीएस लोकेशन तथा प्रबन्धक का सम्पर्क नम्बर, कलाकारों का नाम, पता एवं मोबाइल नम्बर की जानकारी संस्कृति विभाग को भेजी जाए। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए संस्कृति विभाग की सहायक निदेशक रीनू रंगभारती को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

राष्ट्रीय मीडिया गुरु सम्मान से अलंकृत किए जाएंगे : प्रो .संजय द्विवेदी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

पाली। कल्पवृक्ष साहित्य सेवा संस्थान, पाली (राजस्थान) द्वारा शिक्षाविद् पं. विष्णुप्रसाद चतुर्वेदी स्मृति द्वितीय राष्ट्रीय व्याख्यान माला एवं साहित्यकार सम्मान समारोह आगामी 29 सितंबर को वंदेमातरम एकेडमी ,पाली में आयोजित किया गया है। संस्थान अध्यक्ष पवन पाण्डेय एवं संयोजक राजेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि समारोह में मानवीय मूल्यों की स्थापना, साहित्य लेखन, पत्रकारिता एवं शैक्षिक उन्नयन में विशेष योगदान देने हेतु भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. (डा.) संजय द्विवेदी जी को 'पं. विष्णुप्रसाद चतुर्वेदी राष्ट्रीय मीडिया गुरु सम्मान -2024' से सम्मानित किया जायेगा। भारतबोध, राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया के मुद्दों पर प्रो. द्विवेदी के 3500 से अधिक लेख विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने 35 पुस्तकों का लेखन एवं संपादन किया है। श्री द्विवेदी जी त्रैमासिक पत्रिका 'मीडिया विमर्श' के मानद सलाहकार संपादक भी हैं।

प्रदेश में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी व समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए : मुख्यमंत्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं के संबंध में बैठक की। इसमें उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन सेवा आयोग के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष, विद्युत सेवा आयोग के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश सहकारी संस्थागत सेवा मंडल के अध्यक्ष, डीएम और एसएसपी समेत शासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न बोर्ड व आयोगों के अध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने वर्तमान में की जा रही सभी भर्तियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और सभी बोर्ड व आयोगों को निर्देश दिया कि रिक्त पड़े पदों पर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी व समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए। मुख्यमंत्री जी को पुलिस भर्ती प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष ने हाल में ही सकुशल संपन्न कराई गई पुलिस भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया व संचालन के संबंध में अवगत कराया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा प्रदेश में सकुशल संपन्न हुई है। यह एक मॉडल बना है। परीक्षा की इस प्रक्रिया को अन्य भर्ती बोर्ड द्वारा भी अपनाया जाए। प्रदेश में ई-अधियाचन पोर्टल की व्यवस्था की गई है। सभी विभाग इसका उपयोग कर अधियाचन प्राप्त करें। जिन विभागों में नियुक्ति की जानी है, वहां से तत्काल अधियाचन आयोग को भेजकर नियुक्ति प्रक्रिया को संपन्न कराया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि किसी भी विभाग की तरफ से भर्ती प्रक्रिया को लेकर पेंडेंसी न हो। हर हाल में समयसीमा के अंदर सुचारू रूप से सभी प्रक्रियाएं संपन्न की जाएं। ट्रांसपोर्ट, एजेंसी एवं परीक्षा केंद्रों के चयन की प्रक्रिया में सावधानी बरती जाए। गोपनीयता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। अधिकृत एजेंसी के साथ चयन बोर्ड व आयोग का एमओयू भी होना चाहिए। किसी भी प्राइवेट संस्था को परीक्षा केंद्र न बनाया जाए। केवल राजकीय व राजकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाए। परीक्षा केंद्र का चयन जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में किया जाए। परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के संबंध में सभी बोर्ड एवं आयोग के अध्यक्ष मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक करें। परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के दौरान ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस व सीसीटीवी की भी सहायता ली जाए। अफवाह को रोकने पर पूरा ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने सभी बोर्ड व आयोग से कहा कि सभी भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने के लिए क्वेश्चन बैंक तैयार करें।

इन्स्टीट्यूट आफ कोआपरेटिव एण्ड कार्पोरेट मैनेजमेन्ट परामर्श और रोजगार के क्षेत्र में निभा रही है महत्वपूर्ण भूमिका

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। इंस्टीट्यूट ऑफ कोऑपरेटिव एण्ड कार्पोरेट मैनेजमेंट रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग. लखनऊ की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1978 में की गई थी। संस्थान के अध्यक्ष कृषि उत्पादन आयुक्त उ०प्र० शासन, उपाध्यक्ष प्रमुख सचिव, सहकारिता उ०प्र० तथा प्रमुख सचिव नियोजन उ०प्र०, प्रमुख सचिव वित्त उ०प्र०, आयुक्त एवं निबन्धक, सहाकारिता, उ०प्र०, शीर्ष सहकारी संस्थाओं के प्रबन्ध निदेशक इसके सदस्य है। यह एक प्रमुख संस्थान है जो प्रबंधन शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं परामर्श और रोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पिछले 24 वर्षों से यह संस्थान AICTE द्वारा अनुमोदित और डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध दो वर्षीय पूर्णकालिक MBA कार्यक्रम का

संचालन सफलापूर्वक कर रहा है। इस संस्थान द्वारा 2500 से अधिक छात्र सफलतापूर्वक प्रबन्धन शिक्षा प्राप्त कर चुके है। इसके साथ साथ संस्थान निरन्तर अपने छात्रों को 100% प्लेसमेंट प्रदान कर रहा है।

संस्थान द्वारा दिनांक 23-09-2024 को MBA कार्यक्रम के 24वें बैच (2024-26) के ओरिएंटेशन / उद्घाटन से सम्बन्धित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि डॉ. हीरा लाल, L.A.S. कमिश्नर एवं प्रशासक, ग्रेटर शारदा, उत्तर प्रदेश, संस्थान के निदेशक श्री राजीव यादव, डॉ. देवाशीष दास गुप्ता, प्रोफेसर मार्केटिंग, IIM, लखनऊ एवं डॉ. दिवाकर सिंह यादव, प्रोफेसर कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, I.E.T- AKTU द्वारा दीप प्रज्जवलन कर की गयी।

इस अवसर पर छात्रों द्वारा मनमोहक गणेश वंदना प्रस्तुत की गयी। इसके बाद संस्थान द्वारा एक पावर-पॉइंट प्रस्तुति दी गई जिसमें ICCMRT के कार्यकलापों एवं उपलब्धियों को दर्शाया गया था। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत पौधे एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। इसके पश्चात श्री राजीव यादव, निदेशक ICCMRT ने अपने सम्बोधन में कहा कि मैनेजमेंट जीवन के हर पल का हिस्सा है चाहे वह स्वयं हो, परिवार हो या संस्था का प्रबन्धन हो। मैनेजमेंट की महत्वपूर्ण कड़ी लीडरशिप मैनेजमेंट है। एक कुशल नेतृत्व अपने सामने आने वाली समस्त बाधाओं को कम समय मे दूर कर सकता है, साथ ही अपने सहयोगियों में कार्यकुशलता को बढ़ाकर लक्ष्य को पूर्ण कर सकता है। ICCMRT संस्थान एम०बी०ए० के छात्रों को न केवल अध्ययन करना सिखाता है बल्कि जीवन के हर पहलू के मैनेजमेंट को समझना भी सिखाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. हीरा लाल, I.A.S. ने अपने सम्बोधन में कहा कि MBA कार्यक्रम द्वारा ऐसे पेशेवर प्रबंधकों को विकसित करने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए जो हमारी अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में, संगठनों में विभिन्न जिम्मेदारियों को संभाल सकें। उन्हें जोखिम और अनिश्चितता की परिस्थितियों में निर्णय लेने में आत्मविश्वास एवं अधिकार होना चाहिए। उन्होंने MBA छात्रों को ICCMRT में सफल प्रवेश के लिए बधाई दी और 24वें बैच के उद्घाटन पर भविष्य और जीवन में उनकी सफलता की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. देवाशीष दास गुप्ता एवं डॉ. दिवाकर सिंह यादव ने एम०बी०ए० के नव प्रवेशित छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का समापन डॉ. आर. के. प्रसाद, असोसिएट प्रोफेसर, ICCMRT के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

स्वास्थ्य कैम्प में 72 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

ऊंचाहार, रायबरेली। तहसील क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के 6 वर्ष पूर्व होने पर आयोजित स्वास्थ्य कैम्प में 60 वर्ष से अधिक उम्र के मरीजों का निशुल्क इलाज किया गया और उन्हें आयुष्मान योजना के तहत कार्ड भी बांटे गए। क्षेत्रीय विधायक ने कैम्प का शुभारंभ किया। सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयुष्मान भारत योजना के 6 वर्ष पूर्ण होने पर स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक डॉ मनोज कुमार पांडेय ने फीता काटकर कैम्प का शुभारंभ किया।आयोजित कैम्प में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 72 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका निशुल्क इलाज किया गया और 36 मरीजों को गोल्डन कार्ड का वितरण किया गया। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरगामी सोच का परिणाम है कि आज देश के हर गरीब को 5 लाख रुपये का हर साल निशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है। इसके अलावा भी जनकल्याण कारी योजना का लाभ आमजनमानस को मिल रहा है।

धार्मिक झंडे के विवाद में टकराए दो समुदायों के लोग, श्रावस्ती में पथराव और फायरिंग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में रविवार की रात बड़ा बवाल हो गया। यहां एक समुदाय के लोगों ने धार्मिक झंडा लगाया तो दूसरे समुदाय के लोगों ने आपत्ति की। देखते ही देखते यह विवाद विकराल रूप ले लिया। दोनों समुदायों से काफी संख्या में लोग जमा हो गए और पथराव करने लगे। आरोप है कि इस दौरान समुदाय विशेष के लोगों ने फायरिंग भी की। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने डंडे फटकार कर लोगों को खदेड़ तो दिया, लेकिन अभी भी मौके पर तनावपूर्ण शांति बनी हुई है।

यह वारदात श्रावस्ती के भिनगा कोतवाली क्षेत्र में भगहा चौकी के पास का है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल के बाद बताया कि भगहा बाजार में रविवार की देर रात एक समुदाय के लोगों ने धार्मिक झंडा लगाया था। इसकी जानकारी दूसरे समुदाय के लोगों को मिली तो आकर झंडा हटाने को कहा। इसी बात पर दोनों समुदाय के लोग आमने सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। इसी दौरान एक पक्ष के कुछ लोगों ने बंदूकों से फायरिंग भी की। सूचना मिलते ही एसपी श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने डंडे फटकार कर लोगों को खदेड़ा।

44 लोगों पर केस, 23 अरेस्ट

पुलिस के मुताबिक इस वारदात में दोनों पक्षों के दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इनमें एक महिला को गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक है। फिलहाल उसे श्रावस्ती के हायर मेडिकल सेंटर के लिए रेफर किया गया है। एसपी श्रावस्ती के मुताबिक इस वारदात के संबंध में दोनों पक्षों के दो दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं पुलिस ने इस मामले में 44 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज करते हुए 23 लोगों को अरेस्ट भी कर लिया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल मौके पर शांति कायम कर ली गई है।

तहसीलदार के न्यायालय में अधिवक्ताओ में हुई मारपीट

बल्दीराय/सुलतानपुर। तहसील परिसर में न्यायालय में बहस कर रहे बुजुर्ग अधिवक्ता व न्यू अवध बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को दूसरे अधिवक्ता ने परिसर में पिटाई की और पत्रावली छीन लिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ति अधिवक्ता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। घटना सोमवार दोपहर की है। तहसीलदार न्यायालय में बार अध्यक्ष सूर्य प्रकाश तिवारी एक मुकदमे में बहस कर रहे थे बीच बहस में ही उसी मुकदमे के विरोधी पक्ष के वकील बृजेश यादव ने एस.पी तिवारी पर हमला बोल दिया और लात घूंसों से पिटाई कर दी। यही नही पत्रावली भी छीन ली। घटना की सूचना से तहसील परिसर में अधिवक्ताओ में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित अधिवक्ताओ ने उपजिलाधिकारी बल्दीराय को घटना से अवगत कराते हुए कार्यवाही की मांग की। हालांकि अधिवक्ता सूर्य प्रकाश तिवारी की तहरीर पर बल्दीराय पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चौकी में कंकाल–दहशत में पुलिस, 3 साल 11 महीने बाद अब मिली राहत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस के साड थाने की एक चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने 3 साल 11 महीने बाद अब राहत की सांस ली है. इन पुलिसकर्मियों की सांस चौकी में रखे ताबूत के अंदर एक कंकाल की वजह से अटकी हुई थी. लेकिन सरकारी नौकरी के मोह में वह दहशत के बावजूद यहां अपनी ड्यूटी करने के लिए मजबूर थे. इन तीन सालों में स्थिति यहां तक आ गई थी कि शाम ढलने के बाद लोग भी इस चौकी में आने से भरसक परहेज करते थे.

यही नहीं, इस चौकी में तैनात पुलिसकर्मी भी रात की ड्यूटी फील्ड में करने की योजना बनाते रहते थे. दरअसल 47 महीने पहले 30 सितंबर 2020 को पुलिस को खबर मिली कि साड थाना क्षेत्र के बेटा बुजुर्ग गांव के पास जंगल में किसी ने सुसाइड किया है. इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची. उस समय तक शव बुरी तरह से सड़ चुका था.

इसलिए काफी प्रयास के बावजूद उसकी पहचान नहीं हो पायी. आखिर में पुलिस ने डीएनए सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया और शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया.

चौकी में ताबूत रखे जाने से थी दहशत

कुछ दिन बाद पोस्टमार्टम हाउस में जगह की कमी बता कर यह कंकाल पुलिस को सौंप दिया गया. अब इस कंकाल की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस की हो गई. मजबूरी में पुलिस ने एक ताबूत मंगाकर कंकाल को उसमें रखवा दिया और यह ताबूत चौकी में ही रखवा दी. चौकी के अंदर इस ताबूत रखे होने की वजह से पुलिसकर्मी भी दहशत में रहने लगे. धीरे धीरे यह खबर स्थानीय लोगों तक पहुंची तो आम लोग भी डर की वजह से शाम ढलने के बाद चौकी की ओर आने से परहेज करने लगे.

करीब 4 साल बाद कंकाल को दफनाया

पुलिसकर्मियों की परेशानी को देखते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर केपी सिंह ने मामला उच्चाधिकारियों के सामने उठाया और उच्चाधिकारियों के ही आदेश पर इस कंकाल को रिंद नदी के किनारे दफनाया गया है. इस प्रकार अब साड थाने की पुलिस को अब इस कंकाल से मुक्ति मिल गई है. इसी के साथ चौकी के अंदर करीब चार साल से कायम दहशत भी खत्म हो गई है.

अक्षरा सिंह के ठुमकों पर चले जूते–चप्पल, हालात बिगड़े तो पुलिस को भांजनी पड़ी लाठियां

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में एक बार भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह को लेकर बड़ा बवाल हो गया। अक्षरा सिंह स्टेज पर परफार्म कर रहीं थी। अभी उन्होंने ठुमके लगाने शुरू ही किए थे कि कुछ अराजक तत्वों ने स्टेज पर जूते चप्पल फेंक दिए। इससे अक्षरा नाराज हो गईं और कार्यक्रम रोक दिया। इसके बाद तो बवाल इतना बढ़ गया कि अक्षरा सिंह को कार्यक्रम ही छोड़ कर जाना पड़ा। वहीं पुलिस को भी माहौल शांत करने के लिए लाठियां भांजनी पड़ी। मामला रविवार रात यहां आयोजित आजमगढ़ महोत्सव का है।

पुलिस के मुताबिक इस महोत्सव के आखिरी दिन भोजपुरी कलाकार अक्षरा सिंह को आमंत्रित किया गया था। अक्षरा समय से पहुंच भी गईं, लेकिन जैसे ही उन्होंने अपना परफार्मेंस शुरू किया, हंगामा और बवाल शुरू हो गया। आरोप है कि पहले कुछ उपद्रवियों ने अक्षरा सिंह की हूटिंग की। इसके बाद चप्पल जूते फेंके। इससे अक्षरा सिंह ने कार्यक्रम रोक दिया। इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद बाकी लोग भी आक्रोशित हो गए। देखते ही देखते बवाल इतना बढ़ गया कि लोग स्टेज पर चढ़ने की कोशिश करने लगे। हालात को देखते हुए अक्षरा सिंह अपना कार्यक्रम छोड़ कर वहां से चली गईं।

अक्षरा सिंह के कार्यक्रम में पहले भी हो चुके हैं बवाल

इधर, हालात कंट्रोल से बाहर जाते देख पुलिस ने लाठी भांज कर लोगों को खदेड़ा। हालांकि इस दौरान कई पुलिसकर्मी भी उप्रदवियों के चप्पल जूतों के शिकार बन गए।बता दें भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह के किसी कार्यक्रम में बवाल का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले जौनपुर में भी उनके कार्यक्रम के दौरान जमकर मारपीट और तोड़फोड़ हुई थी। इस दौरान लोगों ने कुर्सियां तक उठाकर मंच पर फेंकना शुरू कर दिया था। उस कार्यक्रम में अक्षरा सिंह को बीच में ही परफार्मेंस छोड़ कर जाना पड़ा था। ठीक वही स्थिति आजमगढ़ के इस कार्यक्रम में देखने को मिली है।

गाजे-बाजे के साथ निकली पठकाना रामलीला की शिव बारात शोभा यात्रा

शाहाबाद/हरदोई। पठकाना रामलीला की शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से बीती रात कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाली गई। शिव बारात शोभा यात्रा को देखने के लिए सड़कों पर भारी भीड़ देर रात तक जुटी रही।पठकाना रामलीला मेला की शिव बारात शोभा यात्रा का शुभारंभ नगर पालिका परिषद के समक्ष हुआ। तत्पश्चात शोभा यात्रा स्टेट बैंक, बड़ी बाजार, घास मंडी, गुलाब बैंड चौराहा, आरपीएम इंटर कॉलेज, सदर बाजार, घंटाघर, चौक, सराफा बाजार, सरदारगंज होते हुए कटरा पहुंची। जहां पर शोभा यात्रा का समापन किया गया। शोभा यात्रा में तमाम देवी देवताओं की मनोरम झांकियों का प्रदर्शन किया गया। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से प्रभारी निरीक्षक निर्भय सिंह तथा समस्त उपनिरीक्षक और पुलिस बल तैनात रहा। शोभा यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया।

प्रयागराज महाकुंभ में नो पॉवर कट, 24 घंटे रहेगी बिजली, हाइब्रिड सोलर लाइट से जगमगाएगा गंगा तट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ-2025 के आयोजन को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। महाकुंभ क्षेत्र में बिजली, सड़क और पानी जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं के साथ अन्य कार्यों में तेजी से प्रगति हो रही है। महाकुंभ को लेकर अन्य विभागों की तरह ही बिजली विभाग में कई नए प्रयोग किए जा रहे हैं। प्रयागराज महाकुंभ का दायरा बढ़ाने के साथ ही विभिन्न विभागों की तरफ से यहां होने वाली सुविधाओं और संसाधन में भी शासन की तरफ से बढ़ोतरी की गई है। गंगा के किनारे 4000 हेक्टेयर में प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन होगा, जिसकी बिजली की व्यवस्था भी इस बार पिछले आयोजनों से अलग होगी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि महाकुंभ में 391।04 करोड़ की लागत से स्थाई और अस्थाई कार्य कराए जा रहे हैं। इस बार महाकुंभ को पॉवर कट की समस्या मुक्त रखने की योजना को धरातल पर उतारा जाएगा। इसके लिए सोलर एनर्जी पर आधारित हाइब्रिड सोलर लाइट मेला क्षेत्र में लगाई जाएंगी।

बिजली की रोशनी से जगमग रहेगा महाकुंभ क्षेत्र

महाकुंभ क्षेत्र रात में बिजली की रोशनी से जगमग रहेगा। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता के मुताबिक, बिजली विभाग की तरफ से पूरे महाकुंभ क्षेत्र में 1543 किमी लंबी बिजली की लाइन खींची जाएगी, जिसमें 1405 किमी एलटी और 138 किमी एचटी की लाइन होगी। मेला क्षेत्र में 85 अस्थाई नए बिजली घर , 85 डीजी सेट, 15 आरएमयू और 42 नए ट्रांसफार्मर लगेंगे। मेला क्षेत्र में शिविरों में रहने वाले 4 लाख 71 हजार लोगों को विद्युत के कनेक्शन दिए जायेंगे। इन शिविरों में रोशनी के इंतजाम के अलावा मेला क्षेत्र 67 हजार स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। मेला क्षेत्र के सभी प्रमुख चौराहों में हाईमास्ट लाइट भी लगाई जाएंगी। शिविरों और सड़कों के किनारे लगी इन स्ट्रीट लाइट से पूरा कुंभ मेला क्षेत्र रोशनी से नहा जायेगा। यहां रात में भी दिन जैसा उजाला रहेगा।

हाइब्रिड सोलर लाइटें लगाई जाएंगी

महाकुंभ में इस बार 2004 हाइब्रिड सोलर लाइटें लगाई जाएंगी. कुंभ के सभी प्रमुख चौराहों और पोल्टून पुल पर भी इन्हे लगाया जायेगा. इन लाइट्स के लगने से कुंभ क्षेत्र में बिजली के कभी कटने पर अंधेरा नहीं हो पाएगा.

'हम बंटे थे तो कटे थे, इसलिए पांच सौ वर्ष तक अयोध्या में इंतजार करना पड़ा'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मीरजापुर में 765 करोड़ की 127 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मीरजापुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब अयोध्या धाम भी जगमगा रहा है। भगवान रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है, लेकिन ऐसी स्थिति क्यों हुई कि अयोध्या में पांच सौ वर्ष तक इंतजार करना पड़ा। प्रभु रामलला के भव्य मंदिर को तोड़कर आक्रांताओं ने क्यों गुलामी का ढांचा खड़ा कर दिया था। उसका कारण एक ही है, हम बंटे थे, इसलिए कटे थे। बंटिए मत, बल्कि एकजुट होकर विकास व सुरक्षा के माहौल में आगे बढ़िए। डबल इंजन की सरकार हर सुखदुख में आमजन के साथ खड़ी होकर वर्तमान को सुधारेगी और भविष्य को भी उज्ज्वल बनाने की प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मीरजापुर के गोपालपुर, विकासखंड पहाड़ी में 765 करोड़ की 127 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 1500 से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरित किये गए। साथ ही सीएम ने मत्स्य आहार प्लांट की स्थापना के लिए पहली क़स्ति के रूप में लगभग चार करोड़ का चेक भी प्रदान किया। सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी सम्मानित करते हुए विद्या शक्ति पोर्टल का भी बटन दबाकर शुभारंभ किया।

जाति का खेल खेलने वाले दुर्दांत अपराधियों के सामने नाक रगड़ते थे

सीएम ने निशाना साधते हुए कहा कि जाति का नंगा खेल खेलने वाले लोग माफिया व दुर्दांत अपराधियों, दंगाइयों के सामने नाक रगड़ते थे। आज जब प्रदेश की विकास की नई धारा के साथ बढ़ रहा है तो यह फिर से बैरियर बनकर खड़ा होना चाहते हैं। ऐसे लोग वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे माफिया को फिर से सिर उठाने का अवसर न मिल पाए।

दस वर्ष में भारत और साढ़े सात वर्ष में बदले यूपी को सभी ने देखा

सीएम योगी ने कहा कि दस वर्ष पहले मीरजापुर जनपद में कनेक्टिविटी का अभाव था, गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। मां विंध्यवासिनी धाम के पवित्र मंदिर व त्रिकोण के रूप में विख्यात शक्तिपीठों की क्या स्थिति थी। सड़कों के क्या हालात थे। गुंडाराज व माफियाराज किसी से छिपा नहीं है। दस वर्ष में बदलते भारत, साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश व मीरजापुर को सभी ने देखा होगा। अब मीरजापुर जनपद भी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाएगा, क्योंकि मां विंध्यवासिनी का पावन धाम दिव्य-भव्य रूप ले चुका है। इससे पहले योजनाओं को देने में भेदभाव होता था, लेकिन हमने जाति-खेमे के आधार पर बांटने का प्रयास नहीं किया।

अब मीरजापुर के पास अपना मेडिकल कॉलेज

सीएम ने कहा कि पांच वर्ष पहले मां विंध्यवासिनी धाम की गलियां संकरी थीं। नवरात्रि के दौरान भय लगता था, लेकिन तीन अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले नवरात्रि में दिव्य-भव्य धाम के दर्शन होंगे। पिछली सरकारों ने यही काम किया होता तो जनआस्था को सम्मान मिलता। अब मीरजापुर के पास भी मेडिकल कॉलेज है, वरना बीएचयू व प्रयागराज के बीच में कुछ भी नहीं था। यहां मां विंध्यवासिनी के नाम पर विश्वविद्यालय भी बनने जा रहा है। अगले सत्र में पाठ्यक्रम भी प्रारंभ होगा। जनपद फोरलेन की कनेक्टिविटी से जुड़ गया है।

विंध्य क्षेत्र में क्रियान्वित हो रही हर घर जल योजना

सीएम योगी ने बताया कि बाढ़ सागर परियोजना का लोकार्पण करते हुए पीएम ने कहा था कि ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को इससे सिंचाई की सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों को लाभ होगा। हमारे सामने विंध्य क्षेत्र में पेयजल संकट दूर करने की चुनौती थी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल की योजना पीएम के इसी विजन का परिणाम है। जिस दिन यह योजना पूरी तरह धरातल पर उतरेगी, उस दिन न सिर्फ शुद्ध पेयजल की समस्या का समाधान होगा, बल्कि अनेक बीमारियों से भी मुक्ति मिलेगी। सोनभद्र मेडिकल कॉलेज में इस सत्र से प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। मीरजापुर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग की पढ़ाई प्रारंभ होगी। बेटियों को कहीं और नहीं जाना पड़ेगा। 100 फीसदी प्लेसमेंट की गारंटी है। यदि बेटी पढ़ेगी तो आगे बढ़ेगी।

हमारी सरकार ने सभी को जोड़ने का कार्य किया

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी किसी देश में जाते हैं तो पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत होता है, क्योंकि उनका हर काम देश के नाम होता है। इस क्षेत्र के बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिन्हें योजनाओं से वंचित किया गया था। हमारी सरकार ने कोल, चेरो, गौड़ या नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र में थारू जनजाति को योजनाओं को जोड़ने का कार्य किया। यूपी में दो करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन व टैबलेट दे रहे हैं। वे तकनीकी दक्षता के माध्यम से देश को लाभ देंगे तो भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

हर ग्राम में ग्राम सचिवालय का निर्माण

सीएम योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष में 56 लाख गरीबों को आवास, 2.62 करोड़ गरीबों को शौचालय दिया गया। हर ग्राम पंचायत में ग्राम सचिवालय का निर्माण कर कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कर्मचारी को तैनात किया गया। इससे ग्रामीणों को गांव में ही ऑनलाइन सुविधाएं मिल गईं। साढ़े छह लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी मिली। सुदृढ़ कानून व्यवस्था के कारण यूपी में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं।

स्टार्टअप व बिजनेस प्रारंभ करने के लिए युवाओं को अवसर दे रही सरकार

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार निर्णय करने जा रही है कि जो भी युवा स्टार्टअप, बिजनेस प्रारंभ करना चाहते हैं। वे अभी से नामांकन कराएंगे। सरकार कुछ वर्ष में पहले चरण में पांच लाख, दूसरे चरण में 10 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण देगी।

ट्रेड शो में भी यहां के हस्तशिल्पियों को मिलेगा अवसर

सीएम योगी ने कहा कि कुछ दिन बाद भदोही के एक्सपो मार्ट में प्रदर्शनी लगने जा रही है। हमारे हस्तशिल्पी-कारीगरों को कॉरपेट डिस्प्ले व नए ऑर्डर का अवसर प्राप्त होगा। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो होने जा रहा है। उसमें मीरजापुर-भदोही के कॉरपेट को भी स्थान मिला है। यहां के उत्पाद को दुनिया के सामने शोकेस का अवसर देंगे। यहां का उत्पाद एक्सपोर्ट होता है तो वह कई गुना मुनाफा पाएगा। पैसा आएगा और पूंजी यहां लगेगी तो विकास मीरजापुर, भदोही व सोनभद्र का होगा।

प्रशासन को निर्देश-कैंप लगाकर योजनाओं का दिलाएं लाभ

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया है। उसे गांव-गांव, घर-घर तक ले जाना है। निराश्रित महिलाओं को पहले पेंशन का लाभ कम मिलता था। आज उन्हें 12 हजार रुपये सालाना पेंशन मिल रहा है। एक करोड़ परिवारों को यह सुविधा मिल रही है। सीएम ने प्रशासन को निर्देश दिया कि जिन पात्रों को पेंशन नहीं मिल रही है। कैंप लगाकर उन्हें तत्काल सुविधा मुहैया कराया। पीएम मोदी ने 70 साल से ऊपर के हर व्यक्ति को पांच लाख रुपये के आयुष्मान कार्ड को उपलब्ध कराने का निर्णय केंद्रीय कैबिनेट में लिया है। यूपी में भी जल्द ही यह सुविधा प्रारंभ होगी। गरीबों को पीएम या सीएम आवास योजना से आच्छादित करते हुए आवास दें। वेरीफिकेशन कराकर गरीबों के राशन कार्ड बनवाए जाएं।

जगमगा रहा है नया उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि हम नए उत्तर प्रदेश में हैं, जहां एक तरफ काशी विश्वनाथ धाम जगमगा रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रयागराज कुंभ 2025 में दिव्य-भव्य कुंभ का दर्शन होगा। काशी या कुंभ में आने वाले श्रद्धालु भी मां विंध्यवासिनी धाम आएंगे। मीरजापुर के दोनों हाथ में लड्डू है।

कार्यक्रम में योगी सरकार के मंत्री अनिल राजभर, आशीष पटेल, रवींद्र जायसवाल, रामकेश निषाद, भदोही सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कन्नौजिया, विधायक रत्नाकर मिश्र, रमाशंकर सिंह पटेल, अनुराग सिंह, रिंकी कोल, भूपेश चौबे, विधान परिषद सदस्य विनीत सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिलाध्यक्ष ब्रजभूषण सिंह आदि मौजूद रहे।

2017 के पहले माफिया के काफिले से सहम जाते थे जनप्रतिनिधि, प्रशासन करता था सैल्यूट

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले माफिया समानांतर सरकार चलाते थे। खनन, पशु, संगठित अपराध, भूमाफिया हावी थे। जब उनका काफिला निकलता था तो सामान्य जनप्रतिनिधि सहम जाते थे, प्रशासन सैल्यूट करता था। कोई माफिया पर हाथ डालने की हिम्मत कोई नहीं करता था, लेकिन आज माफिया गिड़गिड़ा रहे हैं कि जान बख्श दो, ठेली लगाकर पेट भर लेंगे, लेकिन किसी को छेड़ेंगे नहीं। अब बेटी-व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़, किसान की जमीन पर कब्जा, गरीब की झोपड़ी को उजाड़ने का दुस्साहस कोई नहीं कर सकता।

मां विंध्यवासिनी के दर पर सीएम योगी ने झुकाया शीश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मीरजापुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मीरजापुर पहुंचे। उन्होंने यहां मां विंध्यवासिनी के दर पर शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने तीन अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले शारदीय नवरात्रि की तैयारियों के संदर्भ में भी जानकारी ली। सीएम योगी ने यहां विंध्य कॉरिडोर के विकास कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने यहां समय से कार्य कराने के भी निर्देश दिए।

सुखी-स्वस्थ उत्तर प्रदेश की कामना की

सीएम योगी आदित्यनाथ ने विंध्यधाम में सबसे पहले मां विंध्यवासिनी के चरणों में शीश झुकाया। उन्होंने यहां पूजन-अर्चन कर सुखी-स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की।

शारदीय नवरात्रि में श्रद्धालुओं को न हो कोई परेशानी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दर्शन-पूजन के उपरांत विंध्य कॉरिडोर के कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्य समयबद्ध ढंग से हो। शेष कार्यों में भी गुणवत्ता का पालन सुनिश्चित हो। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ हो रही है। इसमें देश-प्रदेश से श्रद्धालु दर्शन करने आएंगे। इनके समुचित दर्शन की व्यवस्था हो। उन्हें किसी प्रकार की तकलीफ न हो। सीएम ने त्योहारों के दौरान साफ-सफाई समेत सभी मूलभूत सुविधा मुहैया कराने का निर्देश भी स्थानीय प्रशासन को दिया। पूजन-अर्चन व निरीक्षण के दौरान विधायक रत्नाकर मिश्र समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी आदि मौजूद रहे।

परिवार कल्याण कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने पर कार्यशाला में मंथन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

संभल। प्रसव पश्चात और गर्भ समापन पश्चात परिवार नियोजन सेवा प्रदान करने, संक्रमण नियन्त्रण व सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर सोमवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय में स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई-इंडिया) के सहयोग से अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यशाला आयोजित की गयी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में चिकित्सा अधिकारियों समेत फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स और अस्पताल से जुड़े अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे। महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्वाति रस्तोगी और डॉ. आंचल मल्होत्रा ने प्रतिभागियों का अभिमुखीकरण करने के साथ ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने व प्रसव पश्चात गर्भ निरोधक सेवाओं को प्रदान करने के बारे में विस्तार से चर्चा की।

इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में परिवार कल्याण कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने के हरसम्भव प्रयास किए जाएं। इसके साथ ही प्रदान की जाने वाली परिवार नियोजन सेवाओं की रिपोर्ट भी समय से हेल्थ मैनेजमेंट एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल पर अपलोड की जाए। कार्यशाला में सर्जन डॉ. राजेश कुमार ने परिवार नियोजन सेवाओं को और बेहतर बनाने के अहम सुझाव दिए, जिसमें स्थाई व अस्थाई गर्भनिरोधक साधनों को बढ़ावा देने के लिए काउंसलिंग पर जोर दिया। इसके साथ ही हेल्थ मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) को वैलीडेट करने के लिए डाटा वैलीडेशन कमेटी की मासिक बैठक करने पर भी चर्चा की गयी।

बैठक में पीएसआई इंडिया की मैनेजर प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन डॉ. गीतिका ने जिले में चल रहे परिवार नियोजन कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (यूपीएचसी) के अनुसार एएनएम और आशा का मासिक अनुमानित उपलब्धि स्तर (ईएलए) निर्धारित करने की बात कही। उन्होंने बताया कि शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ प्राइवेट अस्पतालों में भी परिवार नियोजन कार्यक्रम को सुदृढ़ किये जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही अप्रैल 2024 से अगस्त 2024 तक का पोस्टपार्टम एवं पोस्ट अबॉर्शन परिवार नियोजन सेवाओं का आंकड़ा भी प्रस्तुत किया गया।

इस मौके पर जिला नगरीय स्वास्थ्य समन्वयक मुकेश शर्मा ने परिवार नियोजन कार्यक्रम में आशा, एएनएम व स्टाफ नर्स की जिम्मेदारी निर्धारित किये जाने पर जोर दिया। बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गयी कि मास्टर कोचेच द्वारा एचआईए टूल्स के माध्यम से कैसे कोचिंग एवं मेन्टरिंग की जा सकती है और समुदाय स्तर पर कैसे परिवार नियोजन कार्यक्रम के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। बैठक में सभी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। बैठक में जिला संयुक्त चिकित्सालय से चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, हॉस्पिटल मैनेजर डॉ. जाया कौशल, हेल्प डेस्क मैनेजर पारुल गुप्ता, पीएसआई इंडिया से मो. रिजवान आदि उपस्थित रहे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दुनियाभर के मेहमान देखेंगे प्रदेश का कौशल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बढ़ती कौशल क्षमता और नवाचार अब विश्व के सामने अपनी चमक बिखेरने को तैयार हैं। आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2.0, 25 से 29 सितंबर 2024 के बीच इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक सोर्सिंग हब के रूप में स्थापित करना है, जहां कौशल, हुनर, रोजगार और उद्यमिता के प्रमुख सेक्टर्स की गतिविधियों और उपलब्धियों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा, जिससे प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए योगी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत कई विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि प्रदेश के युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की इकाईयों आईटीआई और उप्र कौशल विकास मिशन की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष पवेलियन तैयार किया गया है, जिसमें 09 विशिष्ट कौशलों का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। इसके माध्यम से, आगंतुकों को प्रदेश के उभरते कौशल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी मिलेगी।

हुनर को मिलेगी पहचान

उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल उत्तर प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मंच पर लाने का माध्यम है, बल्कि उनके हुनर को दुनिया के सामने पेश करने का भी एक अनूठा अवसर है। हम इस मंच के जरिए प्रदेश की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और वैश्विक रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

लखनऊ में हुआ अंतरराष्ट्रीय एलर्जी संगोष्ठी का आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजीशियन (एसीसीपी) के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय एलर्जी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में नाक की एलर्जी अर्थात एलर्जिक राइनाइटिस के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक एवं वक्ता डा. सूर्यकान्त ने बताया कि नाक की एलर्जी अर्थात एलर्जिक राइनाइटिस के प्रमुख लक्षणों में नाक से छींकें आना व पानी बहना, नाक बन्द हो जाना तथा इसमें खुजली होना, आंख से पानी आना व खुजली होना, गले में खरास होना, कान बन्द हो जाना तथा सिर दर्द होना शामिल है।

संगोष्ठी में डा. सूर्यकान्त (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रेस्पिरेटरी मेडिसिन केजीएमयू, पूर्व अध्यक्ष, इण्डियन चेस्ट सोसाइटी, फेलो अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजीशियन) और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में भारतीय मूल की डा. अंजू त्रिपाठी पीटर्स (निदेशक, क्लीनकल रिसर्च, डिविजन ऑफ एलर्जी, इम्यूनोलोजी, नार्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, फीनवर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन, शिकागो, अमेरिका) ने अपने व्याख्यान दिये।

इस अवसर पर डा. सूर्यकान्त जिन्हे अभी हाल ही में स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी दुनिया की शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान दिया गया है, ने बताया कि अस्थमा से पीड़ति 80 प्रतिशत मरीजों में एलर्जिक राइनाइटिस की समस्या पायी जाती है। इसी प्रकार एलर्जिक राइनाइटिस के एक तिहाई मरीजो में भविष्य में अस्थमा होने की सम्भावना बनी रहती है। उन्होंने बताया कि अस्थमा के हर मरीज को नाक, कान गला विशेषज्ञ और एलर्जिक राइनाइटिस के प्रत्येक मरीज को चेस्ट फिजीशियन द्वारा सलाह जरूर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि नाक घर के प्रथम तल की तरह और फेफड़ा भूतल की तरह होता है। अगर प्रथम तल पर लीकेज की समस्या हो तो यह भूतल को भी प्रभावित करता है। डा. सूर्यकान्त ने बताया कि एलर्जन से बचाव और एन्टी एलर्जिक दवाओं के प्रयोग से इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है। अमेरिकी विशेषज्ञ डा. अंजू त्रिपाठी पीटर्स ने बताया कि नेजल स्प्रे, एन्टी एलर्जिक दवाओं, इम्यूनोथेरेपी और सर्जरी द्वारा इस समस्या को दूर किया जा सकता है। संगोष्ठी का आयोजन लखनऊ के होटल मे किया गया जिसमें अनेक चेस्ट फिजिशीयन, बाल रोग विशेषज्ञ, ईएनटी सर्जन, और एलर्जी विशेषज्ञों ने भाग लिया एवं देश के 49 शहरों से 1000 से ज्यादा चिकित्सक वर्चुअल माध्यम से इस संगोष्ठी में जुड़े। इस अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के एजुकेशनल पार्टनर के रूप में सैनेफी लिमिटेड ने सहयोग किया।

योगी सरकार परिषदीय छात्रों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को कर रही प्रोत्साहित

» राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को मिल रहा है प्रोत्साहन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। छोटे बच्चे स्वभावतः जिज्ञासु होते हैं और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। हालांकि, अपने सीमित ज्ञान के कारण वे अपनी जिज्ञासाओं का पूरी तरह समाधान करने में अक्सर असफल रहते हैं। ऐसे में उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने परिषदीय विद्यालयों के कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के लिए 'जिज्ञासा आधारित शिक्षा' को प्रोत्साहित करने की पहल की है। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत इन कक्षाओं के छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, प्रयोग के विविध अवसर प्रदान करने और विज्ञान की प्रक्रियाओं व विधियों की सम्यक समझ विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रतियोगिताओं के माध्यम से हो रहा है चयन

सितम्बर माह में चल रहे 'राष्ट्रीय आविष्कार अभियान' के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों का चयन किया जा रहा है। चयनित छात्रों को विकास खंड और जनपद स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा।

क्विज प्रतियोगिता है चयन का आधार

होनहार छात्रों के चयन के लिए क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों में तर्कशीलता, टीम वर्क, प्रतिस्पर्धात्मक भावना, आत्मविश्वास को बढ़ावा देने और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है।

तीसरे शनिवार को हो चुकी है विद्यालय स्तर की क्विज प्रतियोगिता

सितम्बर माह के तीसरे शनिवार को आयोजित विद्यालय स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रत्येक उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय के छात्रों को भाग लेने का अवसर मिला। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन चयनित छात्रों की सूची विकास खंड स्तरीय प्रतियोगिता के लिए संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी को भेज दी गई है।

चौथे शनिवार को ब्लॉक स्तर पर होगी परीक्षा

विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित छात्रों की परीक्षा सितम्बर माह के चौथे शनिवार को ब्लॉक स्तर पर आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विद्यालय से चयनित तीन छात्रों को भाग लेने का अवसर मिलेगा। दो चरणों में होने वाली इस प्रतियोगिता के पहले चरण में विकास खंड के सभी परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों से चयनित 3-3 छात्र शामिल होंगे। 25 बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) की परीक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 25 छात्रों को अंतिम चरण के लिए चुना जाएगा। इन 25 छात्रों को 5-5 के समूहों में विभाजित किया जाएगा और वे विकासखंड स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। अंतिम चरण में विजेता टीम को जनपद स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सिक्खों की सहानुभूति बटोरने में नाकाम रहे राहुल गांधी

लगातार तीन बार लोकसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस का अल्पसंख्यकों के प्रति मोह कम नहीं हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन में करारी शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस बयानों के जरिए यह साबित करने पर तुली हुई कि वह सही मायने अल्पसंख्यकों की खैरख्वाह है। ऐसी राजनीति की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दो दशक पहले तक दबे-छिपे तरीके से हिन्दुओं की बात करने वाली भाजपा खुल कर सामने आ गई। इससे देश में हिन्दू-मुस्लिम मतदाताओं का स्पष्ट धुरवीकरण नजर आता है। अल्पसंख्यकों की हितैषी साबित करने के लिए कांगेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमरीका में सिक्खों की भारत में सुरक्षा को लेकर बयान देकर संगठन को मुश्किल में डाल दिया। पहले मुसलमानों और अब सिक्खों को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस भाजपा के निशाने पर आ गई। राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान की मांग करने वाले पृथक्तावादी संगठन के प्रमुख गुरुपंत सिंह पन्नू को जहर उगलने का मौका मिल गया।

राहुल गांधी ने कहा था कि वो अल्पसंख्यकों को उनका हक़ दिलाने और उनको बैखौफ होकर जीने की आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे हैं, उनकी लड़ाई इस बात की है कि भारत में सिखों को पगड़ी बांधने में डर न लगे, कड़ा पहनने से कोई न रोके, वे गुरुद्वारों में बेखौफ होकर जा सकें। इसके बाद खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयान को बिल्कुल सही बताया। जो बात राहुल गांधी कह रहे हैं, वो बात पन्नू भी मानता है। राहुल और उसकी लाइन एक है। राहुल गांधी की खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तारीफ कर दी। पन्नू ने एक बयान जारी करके कहा कि राहुल गांधी ने सिखों के बारे में जो कुछ बोला, उसमें खालिस्तान समर्थक संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' की बात का समर्थन है। बड़ी बात ये है कि राहुल गांधी की बात को उस सिख नौजवान भलिंदर सिंह ने भी गलत बताया जिसका नाम पूछ कर वॉशिंगटन में राहुल ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में गलतबयानी की थी। भलिंदर सिंह विरमानी ने खुद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम पूछकर सिखों को लेकर जो कमेंट किया, वो पूरी तरह गलत था। भलिंदर सिंह ने कहा कि वो खुद भारतीय हैं, कुछ दिनों के लिए अमेरिका आए हैं, उन्होंने भारत में कभी नहीं देखा कि किसी सिख को पगड़ी पहनने या कड़ा पहनने से रोका गया हो या किसी को गुरुद्वारे जाने में कोई दिक्कत हुई हो। देश में सिक्खों को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर की सर्वे रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। प्यू रिसर्च सेंटर ने यह सर्वे 2019 से 2020 के बीच कराया था। इस सर्वे में महज 14 फीसदी सिखों ने ही माना था कि भारत में सिखों के साथ भेदभाव होता है। मगर अधिकतर सिखों का मानना था कि उन्हें भारत में कोई भेदभाव नहीं दिखता। इस रपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 फीसदी सिख खुद को भारतीय होने पर बहुत गर्व करते हैं। इतना ही नहीं, बहुमत यानी 70 फीसदी सिखों का मानना है कि जो व्यक्ति भारत का अनादर करता है, वो सिख हो ही नहीं सकता। वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने दुनिया भर में भारत-विरोधी प्रचार करने वाली अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की। इल्हान उमर डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता हैं, वो खुले तौर पर पाकिस्तान की हिमायती हैं, हर मंच पर भारत का विरोध करती हैं। राहुल गांधी अमेरिकी सांसदों के जिस प्रतिनिधिमंडल से मिले, उसमें इल्हान उमर को खासतौर पर बुलाया गया था। इल्हान उमर वही हैं, जिन्होंने 2022 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जाकर कहा था कि कश्मीर पर भारत का कोई हक़ नहीं है, भारत को कश्मीर छोडना ही पड़ेगा। जून 2023 में इल्हान उमर अमेरिका की संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव लेकर आई थीं, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्रालय से अपील की गई थी कि वह भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन होता है, जहां मुसलमान सुरक्षित नहीं है। कांग्रेस के नेताओं के पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि राहुल गांधी पाकितान समर्थक इल्हान उमर से क्यों मिले? इल्हान तो हमेशा से भारत के खिलाफ रही हैं। कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग माना है। अनुच्छेद 370 पर राहुल गांधी का ढुलमुल रवैया रहा है। राहुल गांधी जम्मू कश्मीर के दौरे पर पार्टी नेताओं का फीडबैक लेने पहुंचे थे, तब भी वे अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर साइलेंट मोड में दिखे थे। हालांकि कांग्रेस जिस दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही उसका इस मुद्दे पर मत कुछ अलग है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणा पत्र में साफ कर दिया है कि अगर हमारी सरकार बनती है तो अनुच्छेद 370 और 35 ए की बहाली की जाएगी। हालांकि नेशनल कान्फ्रेंस किस आधार पर अनुच्छेद 370 की वापसी की बात कर रही है वो समझ से परे है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की भारी कटौती का वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों पर असर

भारतीय शेयर बाजार में पहले से ही तेजी देखी जा रही है। आज के कारोबार में शेयरों में तेजी आई है, जबकि ये पहले से ही उच्च स्तर पर हैं। दर समायोजन की स्थिति में शेयरों और बांडों के तुलनीय मूल्य फिर से संरेखित होते हैं।

अंजन रॉय

अमेरिकी अर्थव्यवस्था का व्यवहार हैरान करने वाला रहा है। पारंपरिक आर्थिक तर्क के अनुसार, केंद्रीय बैंक ब्याज दरें तब बढ़ाते हैं जब कीमतें बढ़ रही होती हैं। उच्च ब्याज दर मांग को दबा देती है, निवेश को कम करती है, जिससे रोजगार में कमी आती है। इस प्रकार, रोजगार और मूल्य वृद्धि के बीच एक विशेष संबंध है।

19 सितंबर दुनिया भर के वित्तीय बाजारों के लिए एक बड़ा दिन था। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने आखिरकार वैसा ही किया जैसा बाजारों को उम्मीद थी। इसने ब्याज दरों में भारी कटौती की। इसका वैश्विक स्तर पर व्यापक असर हो रहा है और शेयर बाजारों, जो पहले से ही समायोजन कर रहे हैं, को अधिक समायोजन करना पड़ रहा है, जैसा कि हमने भारतीय बाजार में तेज उछाल के दौरान देखा है। मार्च 2020 के बाद से अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से यह पहली ब्याज दर कटौती है।

सबसे अधिक ध्यान देने वाली बात यह है कि अमेरिकी फेड ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया है और पहले से कहीं अधिक कटौती की है - जैसा कि कुछ टिप्पणीकारों ने इसे 'आधा प्रतिशत की भारी कटौती' कहा है। इसके परिणाम स्वरूप शेयर बाजार आश्चर्यचकित ढंग से ऊपर की ओर जा रहे हैं। कुछ टिप्पणीकार मौद्रिक नीति निर्माण के इस बड़े कदम को 'फ्रंट लोडिंग' के रूप में वर्णित कर रहे हैं।

ऐसा करते हुए, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोमपॉवेल ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत और स्वस्थ है और लगातार बढ़ रही है। साथ ही, ब्याज दरों को ऐतिहासिक उच्च स्तर पर रखने के बावजूद, अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही है और मंदी में नहीं फंसी है।

साथ ही, कीमतों में तेजी से गिरावट आई है और मूल्य मुद्रास्फीति लगभग लक्ष्य स्तर के भीतर है। उन्हें लगा कि मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की लड़ाई जीत ली गई है और इसलिए उन्होंने अपनी नीति ब्याज दर में आधे प्रतिशत की कटौती की, भले ही इसके बारह गवर्नरों में से एक इस धारणा से अलग थे और एक चौथाई प्रतिशत की कम कटौती की वकालत की।

इसका निश्चित रूप से वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ेगा। प्रमुख देशों के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के कदम के जवाब में अपनी ब्याज दरों को फिर से निर्धारित कर सकते हैं। हर तरफ दरों में कटौती की उम्मीद की जा सकती है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से वैश्विक स्तर पर धन के प्रवाह पर असर पड़ेगा। यह उम्मीद करना उचित है कि उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए फंड मैनेजर इन बाजारों में कुछ अतिरिक्त निवेश करेंगे। भारतीय शेयर बाजार प्रमुख संस्थागत निवेशकों के लिए एक लक्ष्य है और सबसे प्रमुख वैश्विक शेयर सूचकांकों में से एक में भारत का महत्व चीन के मुकाबले मामूली रूप से बढ़ा है।

भारतीय शेयर बाजार में पहले से ही तेजी देखी जा रही है। आज के कारोबार में शेयरों में तेजी आई है, जबकि ये पहले से ही उच्च स्तर पर हैं। दर समायोजन की स्थिति में शेयरों और बांडों के तुलनीय मूल्य फिर से संरेखित होते हैं। कोई सुरक्षित रूप से उम्मीद कर सकता है कि ब्याज दर घटेगी तथा शेयरों की कीमतें बढ़ेंगी। पोर्टफोलियो को फिर से निर्धारित किया जायेगा।

अतिरिक्त फंडों में होने वाले उतार-चढ़ाव अगले चरण में विदेशी मुद्रा बाजार को भी हिला सकते हैं। कोई उम्मीद कर सकता है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के लिए आसान दरें उलट सकती हैं और विदेशी संस्थागत निवेशकों से प्रवाह के अनुसार समायोजन दिखा सकती हैं। फिर, संयुक्त राज्य अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने इस समय इतना बड़ा कदम क्यों उठाया है। राय अलग-अलग हैं। आंकड़ों की व्याख्याएं अलग-अलग हैं।

फेडरल बैंक के चेयरमैन पॉवेल ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विपरीत स्थिति की ओर इशारा किया है। जबकि साल की शुरुआत में, कीमतें 4.2 प्रतिशत बढ़ रही थीं और बेरोजगारी दर 2 प्रतिशत पर थी। वर्तमान में स्थिति बिल्कुल उलट है। कीमतें 2प्रतिशत बढ़ रही हैं और बेरोजगारी 4.2प्रतिशत पर है। पॉवेल ने बताया कि बेरोजगारी और बढ़ने से पहले, केंद्रीय बैंक को बेरोजगारी को और बढ़ने से रोकने के लिए समग्र आर्थिक गतिविधि को समर्थन देने की दिशा में कदम उठाना होगा। वास्तव में, अर्थशास्त्रियों और बाजार संचालकों में से कुछ लोगों का मानना है कि फेड पहले से ही पीछे रह गया है, यानी उसने दरों में कटौती को बहुत लंबे समय तक टाल दिया है।

केंद्रीय बैंक ने अपनी नीतिगत दरों को ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर बनाये रखा था - सटीक रूप से 23 साल के उच्चतम स्तर पर। परिणामस्वरूप, बाजारों के साथ-साथ अर्थशास्त्रियों को भी उम्मीद थी कि फेड इस साल जनवरी में अपनी बैठक में नीतिगत दरों में कटौती करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिर मौद्रिक नीति समिति की मार्च की बैठक में कटौती की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ। फिर, जून में भी ऐसी ही उम्मीद थी। अब, सितंबर में ही कटौती हुई है।

पूरे समय, अर्थशास्त्रियों को डर था कि लगातार उच्च ब्याज दरें अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मंदी में डाल देंगी। यह डर लंबे समय से था। इकानॉमिस्ट पत्रिका ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया था कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी बढ़ रही है, हालांकि 2020 की पहली तिमाही से ब्याज दर में लगातार बढ़ोतरी की जा रही थी।

वास्तव में, अमेरिकी अर्थव्यवस्था का व्यवहार हैरान करने वाला रहा है। पारंपरिक आर्थिक तर्क के अनुसार, केंद्रीय बैंक ब्याज दरें तब बढ़ाते हैं जब कीमतें बढ़ रही होती हैं। उच्च ब्याज दर मांग को दबा देती है, निवेश को कम करती है, जिससे रोजगार में कमी आती है। इस प्रकार, रोजगार और मूल्य वृद्धि के बीच एक विशेष संबंध है।

लेकिन इस बार, फेड ने अपनी ब्याज दरें तब बढ़ाईं जब अमेरिकी कीमतें ऐतिहासिक उच्च गति पर थीं। सभी को बेरोजगारी में वृद्धि और वास्तव में मंदी की उम्मीद थी।परन्तु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और अमेरिका खुशी-खुशी बढ़ता रहा। साथ ही, हाल ही में कीमतों में तेज वृद्धि धीमी हो गई और केंद्रीय बैंक के स्वीकार्य स्तर पर आ गई।

संभवतः, यह नयी अर्थव्यवस्था की शुरुआत है। अर्थशास्त्री सुराग खोजने के लिए डेटा और अमेरिकी उपभोक्ताओं के व्यवहार से जूझ रहे हैं। यह महामारी और उसके बाद के दौर में हो सकता है। उपभोक्ताओं के हाथों में अप्रयुक्त धन के बड़े पूल ने अर्थव्यवस्था को चालू रखने में भूमिका निभायी। इस घटना को नियमित रूप से स्वीकार करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है।

अजब-गजब

अचानक घर में घुस गया 13 फीट का अजगर, रौंगटे खड़े कर देगी महिला के साथ 2 घंटे की लड़ाई!

थाईलैंड से एक हैरान कर देने वाला किस्सा जहां एक बुजुर्ग महिला अपने घर में बर्तन धो रही थी. इसी दौरान एक 13 फीट का अजगर उनके घर में घुस गया और उस पर हमला कर दिया. हालांकि यहां महिला की किस्मत अच्छी रही और उसने दो घंटे तक अजगर से मुकाबला किया और अपनी जान बचाई.

अक्सर सांप को देखने के बाद किसी की भी हालत खराब हो जाती है. ये एक ऐसा जीव है, जिसको देखने के बाद किसी भी हालत खराब हो जाती है. इंसान तो इंसान जानवर भी इससे दूर में रहने में अपनी भलाई समझते हैं. ऐसे में क्या हो अगर कोई अजगर आपके ऊपर हमला कर दे तो? यहां आप यही कहेंगे कि इंसान की मौत पक्की होगी फिरहालांकि कई बार ऐसे हमलों में भी किस्मत आपका साथ दे जाती है. ऐसा ही एक किस्सा इन दिनों लोगों के बीच सामने आया है.

ये घटना 64 साल की महिला के साथ और बात उसकी जान पर बन आई. दरअसल हुआ यूं कि महिला के घर में 13FT का अजगर घुस आया और महिला ने दो घंटे तक उस दैत्य से लड़ाई की, थाईलैंड की अरोम अरुनोज अपने घर में बर्तन धो रही थी. इसी दौरान उसके घर में एक अजगर घुस आया और उस पर हमला कर दिया. पहले तो उसने अजगर का सिर पकड़कर लिया और खुद को छुटवाने की कोशिश की. उसे लगा कि वो खुद को छुटा लेगी लेकिन ऐसा हो नहीं पाया. इतनी ही देर में अजगर महिला को निगलने की कोशिश कर रहा था.

हैरानी की बात तो ये है कि महिला दो घंटे तक दैत्य से लड़ती रही और जोर-जोर से आवाज देती रही क्योंकि उसका दम घुट रहा था. यहां दूसरी तरफ भी अजगर महिला की जान लेने पर तुल गया. गनीमत की बात तो ये रही कि उसके पड़ोसी ने महिला की आवाज सुन ली और उसने तुरंत ही रेस्क्यू टी और पुलिस को सूचना दी. जिसके बाद मौके पर ही टीम ने महिला की मदद करनी शुरू कर दी. हालांकि जब तक रेक्क्यू टीम पहुंची, तब तक महिला लगभग बदहवास हो रही थी. अजगर की पकड़ का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि उन्हें भी महिला को छुड़वाने के लिए उन्हें भी 30 मिनट का समय लगा. फिलहाल महिला एक अस्पताल में भर्ती है और खुद को रिकवर कर रही है. डॉक्टरों को कहना है कि महिला की जान तो बच गई लेकिन इस ट्रॉमा को शायद ही वो कभी जीवन में भूल पाए.

ब्लॉग

पुस्तक चर्चा: तीन श्रेष्ठ कवियों की पत्रकारिता का आकलन

कृपाशंकर चौबे

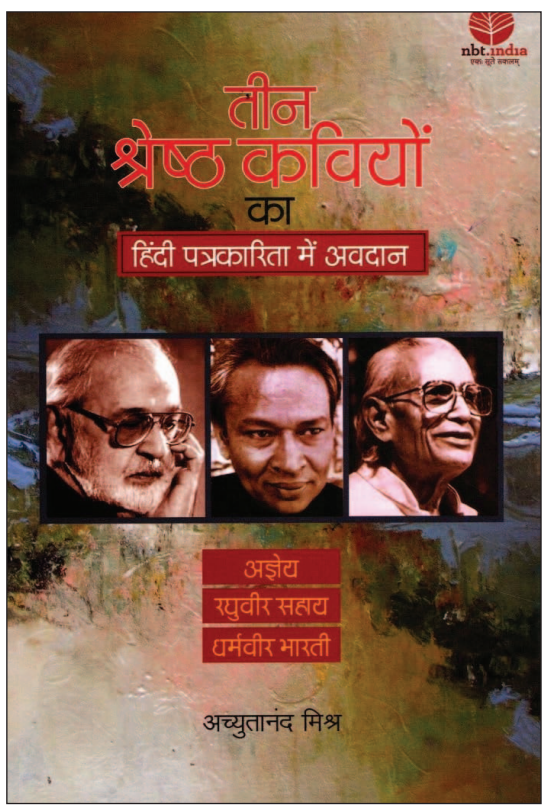

हिंदी के तमाम मूर्धन्य संपादक पत्रकारिता के किसी संस्थान या विश्वविद्यालय से प्रशिक्षित नहीं थे। किंतु वे अपने आप में प्रशिक्षण संस्थान थे। वे पूरे के पूरे पाठ्यक्रम थे और वे ही प्रयोगशाला थे। उनके भीतर अपने समाज को देखने और समझने की अचूक दृष्टि थी। इसलिए पत्रकारिता के पश्चिमी सिद्धांतों को रटने से कहीं ज्यादा आवश्यक भारतीय समाज के भीतर पत्रकारिता के स्वाभाविक विकास को समझना है। उसे समझने के लिए संपादकों की कहानी को जानना जरूरी है। उसमें सिद्धांत भी है, तकनीक भी है, उद्देश्य भी है और भविष्य के लिए प्रेरणाएं भी हैं। यह तभी संभव है जब स्वयं कोई मूर्धन्य संपादक यानी भीतर का अनुभवी व्यक्ति अपनी ज्येष्ठ पीढ़ी के मूर्धन्य संपादकों की कहानी बताए। यह मूल्यवान कार्य हिंदी के मूर्धन्य संपादक अच्युतानंद मिश्र ने अपनी सद्यः प्रकाशित पुस्तक 'तीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदान' में किया है। मिश्र जी ने जिन तीन श्रेष्ठ कवियों की पत्रकारिता की प्रामाणिक कहानी इस पुस्तक में लिखी है, वे हैं- सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय', रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती।

अच्युतानंद मिश्र ने पुस्तक के पहले अध्याय 'साहित्य के तीन महानायक और पत्रकारिता' में लिखा है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी साहित्य और हिंदी पत्रकारिता के बीच विभाजक रेखा अदृश्य थी। प्रस्तुति की शैली और अनुशासन अलग-अलग थे लेकिन दोनों के सामाजिक सरोकार, राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति निष्ठा और राष्ट्रीयता की दृष्टि समान थी। हिंदी गद्य के निर्माण में पत्रकारिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका को सभी ने स्वीकार किया है। साहित्य की प्राचीनता और पत्रकारिता की आधुनिकता के बावजूद हिंदी की सांस्कृतिक विरासत और संपूर्ण शब्द संपदा दोनों की अविभाज्य धरोहर है। पौने दो सौ वर्ष के सहविकास का यह रिश्ता अटूट है। अपने दौर के श्रेष्ठतम साहित्य सर्जकों और संपादकों ने इतिहास के इस शानदार और गौरवपूर्ण अध्याय को साथ-साथ लिखा और जिया है। साहित्य के प्रति पूर्ण सम्मान के साथ ही यह स्वीकार करना पड़ेगा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के युद्ध में लोक प्रतिबद्ध पत्रकारिता ने अपने सर्वस्व की आहुति दी थी। सैकड़ों पत्र-पत्रिकाएं और पत्रकारों ने अपना अस्तित्व दांव पर लगाकर सच लिखने, छापने और बोलने का जोखिम उठाया था।

अज्ञेय, रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती ने साहित्य के साथ हिंदी पत्रकारिता में भी सशक्त और सार्थक हस्तक्षेप किया। तीनों को साहित्य से भरपूर सम्मान और पत्रकारिता से अभूतपूर्व लोकप्रियता मिली थी। तीनों ने अपना-अपना साहित्यिक और पत्रकारीय लेखन लगभग साथ-साथ शुरू किया था। अज्ञेय ने 'तारसप्तक' और 'प्रतीक' के माध्यम से उस दौर के कवियों, लेखकों और पत्रकारों को पहचान दी थी। उनके सहयोगी के रूप में रघुवीर सहाय की प्रतिभा सामने आई थी। रघुवीर सहाय की पत्रकारिता 1947 में लखनऊ के दैनिक 'नवजीवन' के माध्यम से और डॉ. धर्मवीर भारती की पत्रकारिता 1948 में प्रयाग में 'संगम' के माध्यम से शुरू हो चुकी थी।

अच्युतानंद मिश्र लिखते हैं कि अज्ञेय, रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती पर स्वतंत्रता पूर्व के संपादकों की छाप थी। उनमें से कुछेक के साथ तीनों ने काम किया था और कई को नजदीक से काम करते हुए देखा था। साहित्य तीनों का पहला आकर्षण था। साहित्य की तरह ही संपादक के रूप में भी तीनों अपने पाठकों में अलग-अलग पहचान के साथ लोकप्रिय थे। तीनों के बीच लोकतंत्र, समाजवाद, व्यवस्था विरोध और हिंदी की अस्मिता निर्विवाद थी। हिंदी पत्रकारिता की भाषा गढ़ने में तीनों ने अपनी शैली में योगदान किया था। तीनों ने हिंदी के साथ भारतीय साहित्य और भाषाओं को प्रोत्साहित किया था। तीनों का फलक विशाल था। वे साहसी और प्रयोगधर्मी थे। भारतीय मनुष्य और मानवीयता उनके साहित्य और पत्रकारिता के केंद्र में थी। तीनों ने मौलिक लेखन के साथ-साथ अनुवाद के माध्यम से भी हिंदी को समृद्ध किया। तीनों को लेकर साहित्य में जो गुटबंदी या विवाद उछाले गए थे, उसकी छाया उनकी पत्रकारिता पर भी थी। लेखन और संपादन में तीनों अपने कथ्य और शिल्प को लेकर बेहद सजग थे। तीनों ने अपने दौर के चर्चित श्रेष्ठ साहित्यकारों से अपनी पत्रिकाओं में बार-बार लिखवाया और छापा। राजनेताओं से गहरे निजी रिश्तों के बावजूद वे राजनीति में नहीं गए। उनका चिंतन प्रगतिशील और आधुनिक था लेकिन वे मार्क्सवादी नहीं थे। उन पर मानवेन्द्रनाथ राय, राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण की गहरी छाप थी। उनके आदर्श उदात्त थे। बिक्री और विज्ञापन बढ़ाने के लिए पत्रिकाओं को सस्ता बनाने के तीनों खिलाफ थे। उन्होंने अपने लेखकों, सहयोगियों और पाठकों की एक पूरी पीढ़ी को अपने ढंग से गढ़ने का काम किया था।

तीनों का नई पीढ़ी पर अद्भुत प्रभाव था। तीनों अपने पांडित्य से आक्रांत करने के बजाए अपने साहचर्य से एक नई स्फूर्ति देते थे। उस दौर के सैकड़ों लेखकों और हजारों प्रबुद्ध पाठकों को उन्होंने स्वयं पत्र लिखकर लेखन के लिए प्रेरित किया और सम्मान से छापा भी था। तीनों ने हिंदी क्षेत्र में मध्य वर्ग के बेचैन युवाओं को भाषाई स्वाभिमान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक पहचान दिलाने की पहल की थी। तीनों स्वप्नद्रष्टा भी थे और कर्मकठोर भी। तीनों ने बुद्धिजीवियों को उनकी निष्क्रियता तथा अकर्मण्यता पर जमकर लताड़ा है।

अच्युतानंद मिश्र ने तीनों मूर्धन्य संपादकों में समानता का वर्णन किया है तो उनके वैचारिक अंतर्विरोध को भी उजागर किया है। कहते हैं कि तीनों को उनके संचालकों ने प्रताड़ित और अपमानित किया था, लेकिन तीनों ने उसके विरुद्ध आवाज नहीं उठाई। प्रश्न है कि आजीविका के लिए मूल्यों के साथ समझौता किस सीमा तक होना चाहिए? जयप्रकाश नारायण को केंद्र में रखकर लिखी गई धर्मवीर भारती की प्रसिद्ध कविता 'मुनादी' का सबसे पहले 'धर्मयुग' में न छपना जैसे मुद्दों को लेकर आज भी सवाल उठाए जाते हैं। इस पुस्तक का महत्व इसलिए है कि यहां पहली बार तीन श्रेष्ठ कवियों के पत्रकारीय अवदान को प्रकाश में लाया गया है। कृष्णबिहारी मिश्र ने इसे अनुशीलन का एक और गवाक्ष कहा है। यह भी रेखांकित करनेयोग्य है कि अच्युतानंद मिश्र ने तीनों श्रेष्ठ कवियों की रचनाओं और उनके द्वारा संपादित पत्र-पत्रिकाओं से गुजरकर, उस दौर के साक्षी रहे साहित्य चिंतकों, विद्वानों और पत्रकारिता के सहयोगियों से संवाद कर संपादक के रूप में उनका वस्तुपरक आकलन किया है। प्रामाणिकता इस पुस्तक की सबसे बड़ी पूंजी है।

अज्ञेय ही रहे 'अज्ञेय', रघुवीर सहाय ने पत्रकारिता को नई ऊर्जा दी, धर्मयुग और धर्मवीर भारती, संवादों और साक्षात्कारों के बीच अज्ञेय, अज्ञेय से त्रिलोकदीप की बातचीत, अज्ञेय से नरेश कौशिक की बातचीत, अज्ञेय से भारतभूषण अग्रवाल की बातचीत और जवाहरलाल कौल से अच्युतानंद मिश्र की बातचीत शीर्षक अध्याय भी पठनीय हैं। उन अध्यायों से पाठकों के सामने सामने एक नया परिप्रेक्ष्य खुलता दिखाई पड़ता है। उनमें विचार की कई बार एक नई कौंध मिलती है। यह विशेषता अच्युतानंद मिश्र की दूसरी पुस्तकों- 'सरोकारों के दायरे', 'कुछ सपने, कुछ संस्मरण', 'पत्रों में समय-संस्कृति', 'हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं' (चार खंड) में भी विद्यमान है।

पुस्तक : तीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदान, लेखक : अच्युतानंद मिश्र, प्रकाशक : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली, पृष्ठ :172, मूल्य : 225 रुपए, संस्करणः 2024

(समीक्षक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में प्रोफेसर हैं)

सुल्तानपुर में 1.35 करोड़ की डकैती, 2 एनकाउंटर, कौन था अनुज प्रताप सिंह जो उन्नाव में मारा गया?

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। मंगेश यादव के एनकाउंटर के बाद बड़े फलक पर चर्चा में आए सुल्तानपुर डकैती कांड के दूसरे आरोपी अनुज प्रताप सिंह को भी यूपी एसटीएफ ने मार गिराया है। अनुज का एनकाउंटर उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र के कुलुहागढ़ा में एसटीएफ ने सोमवार की अल सुबह करीब 4 बजे किया गया। मंगेश यादव के एनकाउंटर पर खूब सियासत भी हुई थी, लेकिन अनुज के एनकाउंटर के बाद मामले में लगातार उठ रहे सवालों के जवाब मिलते नजर आ रहे हैं। इस खबर में आगे बढ़ने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि आखिर यह अनुज प्रताप सिंह था कौन, जिसके एनकाउंटर को पुलिस बड़ी उपलब्धि बता रही है?

पुलिस के मुताबिक मूल रूप से अमेठी के मोहनगंज थाना क्षेत्र के गांव जनापुर का रहने वाला अनुज प्रताप सिंह जौनपुर के कुख्यात

बिपिन सिंह गिरोह में डिप्टी था। इस बदमाश ने गुजरात के सूरत में भी बिपिन सिंह के साथ मिलकर डकैती डाली थी। वहीं सुल्तानपुर डकैती कांड में भी यह बदमाश सबसे पहले ज्वैलरी शॉप में घुसा। वीडियो फुटेज से पुलिस ने इस बदमाश की पहचान की है। वारदात के बाद से ही फरार चल रहे इस बदमाश की गिरफ्तारी पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।पुलिस के मुताबिक इस वारदात का सरगना बिपिन था, हालांकि उसने पहले ही सरेंडर कर दिया था।

अब तक 11 बदमाशों की हो चुकी है अरेस्टिंग

वारदात में शामिल 8 बदमाशों को पुलिस ने दबिश के दौरान अरेस्ट किया। वहीं एक बदमाश को एनकाउंटर के दौरान गोली मारकर पकड़ा गया है। पुलिस का दावा है कि मंगेश यादव और अनुज प्रताप सिंह को भी पुलिस ने अलग अलग हुए एनकांउटर में अरेस्ट करने की कोशिश की, लेकिन इन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। मजबूरी में पुलिस को भी जवाबी फायरिंग करनी पड़ी। इसमें इन दोनों की ही मौत हो गई। अभी भी इस वारदात में शामिल 14 में से 3 बदमाशों फुरकान, अरबाज और अंकित यादव की गिरफ्तारी बाकी है। पुलिस के मुताबिक इन तीनों पर भी एक एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। पुलिस ने इन बदमाशों की क्राइम कुंडली निकाली है। इसमें पता चला है कि अंकित यादव पर पांच, अरबाज पर तीन और फुरकान पर दो मुकदमे दर्ज हैं।

रायबरेली में बिपिन ने किया था सरेंडर

पुलिस के मुताबिक इस गैंग का सरगना बिपिन सिंह भी अमेठी के मोहनगंज थाना क्षेत्र के गांव भवानीपुर का रहने वाला है। उसने वारदात के बाद ही रायबरेली की कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। उसके गैंग में विनय शुक्ला निवासी सहमेऊ मोहनगंज, अजय यादव निवासी लारपुर थाना सिंगरामऊ जौनपुर, विवेक सिंह निवासी भवानीनगर मोहनगंज, मंगेश यादव निवासी अगरौरा थाना बख्शा जौनपुर, अंकित यादव निवासी हरिपुरा थाना आसपुर देवसरा प्रतापगढ़, अरविंद यादव निवासी चमरा डीह थाना फूलपुर आजमगढ़, दुर्गेश प्रताप सिंह निवासी नया पुरवा फायर स्टेशन रायबरेली शामिल हैं।

28 अगस्त को हुई थी डकैती

पुलिस के मुताबिक सुल्तानपुर के चौक ठठेरी बाजार निवासी भरत जी सोनी के प्रतिष्ठान में 28 अगस्त को दिन दहाड़े 1।35 करोड़ की डकैती हुई थी। इस मामले में पुलिस ने घेराबंदी कर 2 सितंबर की रात तीन बदमाशों सचिन सिंह, त्रिभुवन और पुष्पेंद्र सिंह को अरेस्ट किया था। इन बदमाशों के पास से पुलिस ने डकैती की पंद्रह किलो चांदी और 38 हजार की नगदी बरामद की थी। इन्हीं बदमाशों से पूछताछ में वारदात में शामिल अन्य बदमाशों के नाम मिले और फिर 5 सितंबर को मंगेश यादव और अब अनुज प्रताप सिंह का एनकाउंटर हुआ है।

दबंग लेखपाल: तहसील दिवस में फरियादी के साथ बदसलूकी का आरोप

कुशीनगर। जनपद के कप्तानगंज तहसील दिवस में एक वृद्ध अपने पट्टे की जमीन को बचाने के लिए एसडीएम के पास फरियाद लेकर पहुँचा। एसडीएम ने पट्टे की जमीन पर अबतक निर्धारण व कब्जा के सम्बंधित मामले में जांच का आदेश दिया। वही पीड़ति ने आरोप लगाया की तहसील दिवस में शिकायत से खार खाये लेखपाल ने एक अन्य सहयोगी के साथ बदसुलूकी कर खदेड़ दिया। इस आरोपो को लेखपाल ने झूठा बताया। एसडीएम ने मामले को दिखवाने की बात कही हैं। जानकारी के अनुसार कप्तानगंज तहसील में शनिवार को समाधान दिवस का कार्यक्रम उपजिलाधिकारी द्वारा आयोजित किया गया था। तहसील क्षेत्र के देवरिया बाबू (जोलह पट्टी) में रहने वाला एक दलित चेतई प्रसाद ने बताया कि उसे 2018 में पट्टा की जमीन मिली। आराजी 1824 में लेखपाल ने तीन साल पहले चिन्हित कर दिया।

गजब! जज साहब को पता ही नहीं, उनके नकली साइन से हो गई जमानत, पकड़ा गया माल भी छुड़ाया

आर्यावर्त संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में गजब का फर्जीवाड़ा हुआ है। यहां शराब तस्करी के मामले में पकड़े गए दो बदमाशों को फर्जी तरीके से ना केवल जमानत मिल गई, बल्कि इनके पास से पकड़ा लाखों रुपये कीमत का अवैध शराब भी छुड़ा लिया गया। इन बदमाशों के जमानत के पेपर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम के फर्जी हस्ताक्षर लगे है और फर्जी मुहर भी लगाई गई है। मामला प्रकाश में आने के बाद सीजेएम प्रथम के बाबू ने नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। वहीं पुलिस ने दबिश देकर एक आरोपी को अरेस्ट भी कर लिया है।

मामला बलिया के सहतवार थाना क्षेत्र का है। पिछले दिनों सहतवार थाने की पुलिस ने एक शराब माफिया के ठिकानों पर दबिश देकर दो लोगों को अरेस्ट करते हुए सैकड़ों पेटी अवैध शराब बरामद की थी। यह दोनों आरोपी जेल में थे। इसी बीच बदमाशों ने सीजेएम कोर्ट का फर्जी जमानत पेपर तैयार किया और जज के फर्जी हस्ताक्षर किए और फर्जी मुहर लगाकर दोनों आरोपियों को जेल से छुड़ा लिया। यही नहीं, मालखाने में जब्त सैकड़ों पेटी शराब भी रिलीज करा ली। हालांकि इसी दौरान पुलिस को कोर्ट के इस फर्जी ऑर्डर को देखकर शक हो गया। मामले की छानबीन की गई। इस दौरान कोर्ट के बाबू ने बताया कि उनके कार्यालय से ऐसा कोई जमानत ऑर्डर या रिलीज ऑर्डर जारी ही नहीं हुआ है। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ फ्रेश मुकदमा दर्ज किया और अब एक आरोपी को अरेस्ट किया है। इस आरोपी की पहचान सुशील कुमार उपाध्याय पुत्र त्रिभुवन उपाध्याय निवासी जौनपुर के रूप में हुई है।

'ठाकुर का भी एनकाउंटर हो गया, अखिलेश की मुराद पूरी हुई' अनुज प्रताप सिंह के पिता का छलका दर्द

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बदमाश अनुज प्रताप सिंह के एनकाउंटर पर पिता धर्मराज सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इस एनकाउंटर के लिए सीधे सीधे सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। कहा कि उनकी मुरादें पूरी हो गईं। आखिर एक ठाकुर का एनकाउंटर हुआ है। इसी के साथ उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन बदमाशों पर 35 से 40 मुकदमे हैं, उनका तो एनकाउंटर नहीं हो रहा। बस छोटे मोटे अपराधियों को फर्जी मुठभेड़ में मारकर पुलिस वाहवाही लूट रही है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम ने उन्नाव में

बिपिन गैंग के बदमाश अनुज प्रताप सिंह का एनकाउंटर किया है। इस गैंग ने पिछले महीने 8 अगस्त को सुल्तानपुर में भरत जी सोनी ज्वैलर्स के प्रतिष्ठान में डकैती डाली थी। इस वारदात के बाद आरोपी के खिलाफ एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अमेठी के जनापुर गांव का रहने वाला यह बदमाश गैंगस्टर बिपिन सिंह का डिप्टी था। इस डकैती के बाद ही इस गैंग के सरगना बिपिन सिंह ने रायबरेली में सरेंडर कर दिया था, वहीं एसटीएफ ने बदमाश मंगेश यादव का एनकाउंटर किया था।

अखिलेश यादव ने लगाया था जाति देखकर एनकाउंटर का आरोप

उस समय सपा सुप्रीमों ने एसटीएफ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा था कि पुलिस जाति देखकर एनकाउंटर कर रही है। अब अनुज प्रताप सिंह के एनकाउंटर पर पिता धर्मराज सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। कहा कि अब अखिलेश यादव की दिली तमन्ना थी कि ठाकुर का एनकाउंटर हो, अब उनकी भी मुरादें पूरी हो गई। आखिरकार किसी ठाकुर का भी एनकाउंटर हो ही गया। अनुज प्रताप सिंह के पिता धर्मराज सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके बेटे के खिलाफ सूरत में कोई मुकदमा दर्ज हुआ था। उस समय उनका बेटा घर आया था। उसके बाद से किसी परिजन ने अनुज को देखा तक नहीं।

सरकार पर लगाया बड़े बदमाशों को पालने का आरोप

यह कहते हुए धर्मराज सिंह की आंखों से आंसू छलक पड़े। कहा कि इस सरकार में बड़े बदमाशों, जिनके खिलाफ 35-40 मुकदमें हैं, उन्हें तो पाला जा रहा है। वहीं जिनके खिलाफ एक दो छोटे मोटे मामले हैं, उन्हें घर से उठाकर एनकाउंटर किया जा रहा है। बता दें कि सुल्तानपुर ज्वैलर्स डकैती कांड में कुल 14 नामजद किए गए थे, जबकि आरोपी का नाम अभी साफ नहीं हो सका है। इनमें से पुलिस ने नौ आरोपियों को पकड़ कर जेल पहुंचा दिया है। वहीं दो बदमाशों मंगेश यादव और अनुज प्रताप सिंह को मार गिराया है। इसके बावजूद भी एक-एक लाख के इनामी तीन बदमाश अरबाज, फुरकान और अंकित यादव की तलाश जारी है।

रात भर सही पिता की दरिंदगी, सुबह होते पहुंची थाने, आरोप सुनकर पुलिस भी हैरान

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में बाप बेटी के रिश्ते को कलंकित करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी सगी बेटी के साथ दुष्कर्म किया है। आरोपी ने यह वारदात एक दो बार नहीं, बल्कि दो महीने से लगातार करता आ रहा है। पिता की प्रताड़ना से तंग नाबालिग बेटी रविवार की अल सुबह रोते हुए थाने पहुंच गई। उसने पुलिस को अपना दर्द बताया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पिता को अरेस्ट कर अदालत में पेश किया है, जहां से उसे 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

यह वारदात गाजीपुर जिले में खानपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। 16 साल की पीड़ित बेटी पुलिस को दिए शितकायत में बताया कि दो महीने तक उसका परिवार बहुत खुशहाल था। अचानक एक दिन उसके पिता के मन में शैतान जाग

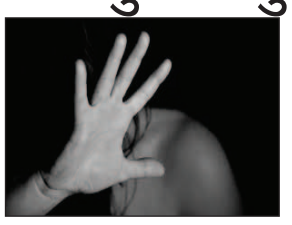

गया। आरोपी पिता ने उसी रात उसे हवस का शिकार बनाया। उसने विरोध किया तो मारपीट की। यहां तक कि आरोपी पिता ने कहीं मुंह नहीं खोलने के लिए उसकी मां को भी धमकाया। इसके बाद आरोपी आए दिन उसके साथ रेप करता रहा।

सुबह होते थाने पहुंची पीड़िता

शनिवार की रात भी आरोपी ने इस वारदात को दोहराया तो पीड़िता ने भी इस बार फैसला कर लिया कि वह और नहीं सहेगी। ऐसे में वारदात के बाद जब आरोपी सो गया तो पीड़िता उसी हाल में थाने पहुंच गई। उसने पुलिस को पूरा हाल बताया और अपने ही पिता के खिलाफ लिखित शिकायत दी। पीड़िता की शिकायत सुनक पुलिस वाले भी सन्न रह गए। पुलिस तो पुलिस अधिकारियों को भरोसा नहीं हुआ।

आरोप सुनकर हैरान रह गई पुलिस

जब पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने आई और पूछताछ किया तो आरोपी के कबूलनामे से पुलिस भी हैरान रह गई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह करीब दो महीने से इस वारदात को अंजाम देता आ रहा है।इसके लिए उसने अपनी पत्नी और बेटी को कई बार डराया धमकाया भी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अदालत में पेश किया गया है, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पहले बेरहमी से पीटा, फिर छाती में घोंप दिया भाला, मुजफ्फरनगर में 3 भाइयों ने दुकानदार का किया मर्डर

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक दुकानदार की भाला घोंप कर हत्या कर दी गई। वारदात को तीन भाइयों ने मिलकर अंजाम दिया।घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घरवालों ने बताया कि दुकानदार ने आरोपियों से उधारी पैसा चुकाने को कहा था, जिस पर वे भड़क गए और हत्या कर दी।

घटना कुरथल गांव की है। मृतक का नाम राजबीर कश्यप है। उसकी उम्र 50 साल बताई जा रही है। राजबीर की गांव में किराने की दुकान है। घरवालों ने बताया कि आरोपी तीनों भाई दुकान पर तंबाकू खरीदने आए थे, तभी राजबीर ने कहा कि पहले उधारी चुका दो, फिर तंबाकू मिलेगा। इसी बात पर आरोपी भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। तीनों भाइयों ने राजबीर और उसकी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर दी, फिर राजबीर की

छाती में भाला घोंप दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घरवाले तत्काल इलाज के लिए राजबीर कश्यप को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। लेकिन राजबीर की रास्ते में ही मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे की घटना है। मृतक के घरवालों ने हत्या का आरोप गांव के ही टीलू, दीपक और मंगू पर लगाया है। आरोपियों ने मृतक की पत्नी के साथ भी मारपीट की है। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल

दुकानदार की हत्या से घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी के आंखों से आंसू रुकने के नाम नहीं ले रहे हैं। घरवालों ने पुलिस मांग की है कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा मिले। इस घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा है। एक अधिकारी ने बताया कि एहतियातन गांव में पुलिस की एक टीम तैनात कर दी गई है।

16 दानियों ने किया रक्तदान, 184 लोगों का स्वास्थ्य व 110 लोगों का हुआ नेत्र परीक्षण

कुशीनगर। रक्तदान न सिर्फ जरुरतमंद का जीवन बचाने में मदद करता अपितु इससे रक्तदाता के शरीर के रक्त का नवीनी करण भी होता है। शरीर रक्त कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ता है।

यह बातें भाजपा नेता चंद्र प्रकाश यादव चमन ने कही। वह गुरवलिया बाजार में प्रवासी भारतीय मदद समूह, गुरवलिया व्यापार मंडल व भगवान बुद्ध चैरिटेबल ब्लड बैंक के तत्वावधान तथा डा. साक्षी के संयोजकत्व में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान, निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व नेत्र जांच शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को किसी भी खुशी के मौके पर फिजूलखर्ची करने की बजाए रक्तदान जैसे समाज हित के कार्य करने चाहिए, जिससे अन्य लोगों का भला हो सके। आयोजक डा. साक्षी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है।

6 साल की मासूम को सुनसान जगह ले गया दरिंदा, 'बजरंगी भाईजान' बनकर आए बंदर, कर दिया मकसद नाकाम

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत से ऐसा मामला सामने आया है, जिसे जिसने भी सुना उसकी आंखों में आंसू आ गए। यहां बेजुबान बंदरों के झुंड ने 6 साल की मासूम की अस्मत लुटने से बचाई है। यह दावा खुद बच्ची के परिवार ने किया है। एक दरिंदा बहला-फुसलाकर उस मासूम को अपने साथ ले गया था। वहां वो बच्ची का रेप करने ही वाला था कि बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। हमले में घायल दरिंदा तुरंत वहां से भाग खड़ा हुआ, जिससे बच्ची की जान बच गई।

रोते-बिलखते बच्ची अपने घर पहुंची। उसने पूरी बात परिवार को बताई। घर वाले थाने पहुंचे। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें आरोपी उस मासूम को अपने साथ ले जाते दिखा है। फिलहाल फरार आरोपी की तलाश

जारी है।

क्या बोले बच्ची के पिता?

घटना सिंघावली अहीर के डोला गांव की है। बच्ची के घर वालों ने बताया- बंदरों का झुंड अगर आरोपी पर हमला न करता तो कुछ भी अनहोनि हो सकती थी। बच्ची के पिता ने जब ये बात पुलिस के सामने बताई तो वो फूट-फूट कर रोने लगे। बोले- बजरंगी न होते तो क्या होता। मेरी मासूम की बजरंगी ने ही जान बचाई है। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश में जुट गई है।

आरोपी की तलाश जारी

पुलिस ने कहा- जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा। उसकी धरपकड़ के लिए कई टीमों को गठित किया गया है। ये मामला सच में हैरान कर देने वाला है। वहीं, इलाके में यह केस चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का मानना है कि साक्षात बजरंग बली ने खुद आकर बच्ची की जान बचाई है। साथ ही लोग आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की भी मांग पुलिस से कर रहे हैं।

लखनऊ के मनकामेश्वर मंदिर में बाहर के प्रसाद पर लगा बैन, गर्भगृह में चढ़ा सकेंगे सिर्फ ये चीजें

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ के मनकामेश्वर मंदिर में बाजार से खरीदा गया प्रसाद बैन कर दिया गया है। तिरुपति लड्डू विवाद के बाद महंत देव्यगिरि ने बाहर से लाए गए प्रसाद को मंदिर में चढ़ाने से मना कर दिया है। महंत देव्यागिरि ने लेटर जारी कर कहा है कि भक्तों ने अपने घरों से बनाया प्रसाद या सूखा मेवा ही गर्भगृह में चढ़ाने के लिए पुजारी को दें। यह व्यवस्था सोमवार सुबह से यहां लागू कर दी गई है। तिरुपति विवाद के बाद से ही भक्तों की अस्था को काफी ठेस पहुंची है, ऐसे में यहां के मंदिर में सतर्कता के लिए बाहर की किसी भी सामग्री को मंदिर में चढ़ाने की अनुमति नहीं है।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के बाद अब देश के दूसरे मंदिरों में भी इसका प्रभाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में लखनऊ के

मनकामेश्वर मंदिर में प्रसाद के लिए नोटिस जारी करके सभी को सूचित किया गया है। नोटिस में साफतौर पर लिखा गया है कि मनकामेश्वर मंदिर में गर्भगृह में वही प्रसाद चढ़ाएं जो कि खुद से बनाया गया हो, अन्यथा बाहर से किसी भी चीज को प्रासद के तौर पर भगवान को न चढ़ाया जाए। साथ ही भक्तों से अपील की गई है कि गर्भगृह में सूखे मेवे ही प्रसाद में चढ़ाए जाएं, क्योंकि उसमें किसी तरह की मिलावट की गुंजाइश कम है।

तिरुपति बालाजी घटना के कारण प्रतिबंध

मनकामेश्वर मंदिर में जारी की गई नोटिस में साफ शब्दों में लिखा गया है कि प्रसाद को लेकर जारी किया गया ये निर्देश तिरुपति बालाजी आंध्र की घटना के कारण प्रतिबंधित किया गया है। इस नोटिस को मंदिर के पीठाधीश्वर महंत देव्यागिरि की तरफ से जारी किया गया है।

व्यवसाय पर पड़ सकता है असर

देश भर के मंदिरों में प्रसाद के चढ़ाने को लेकर काफी असमंजस और डर है। लोग बाहर से खरीदे गए प्रसाद को मंदिर में ले जाने से बच रहे हैं। ऐसे में कारोबारियों का कहना है कि मंदिरों में इस तरह के रोक के बाद प्रसाद के व्यवसाय पर बुरा असर पड़ सकता है। जब लोग उनके द्वारा बनाए गए प्रसाद को नहीं खरीदेंगे तो उनका गुजारा कैसे होगा? इससे प्रसाद व्यवसाय में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

क्रिकेट प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति की बैठक हुआ संपन्न

कुशीनगर। 19 वें शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमे आयोजन के तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के संरक्षक पूर्व आरटीओ अजय त्रिपाठी ने कहा कि इस वर्ष के प्रतियोगिता का उद्घाटन 21 दिसंबर को होगा तथा फाइनल मुकाबला 28 दिसंबर को होगा। इसके लिए टीमों की चयन की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की रणजी खिलाड़ियों से सजी टीमें प्रतिभाग करती है। उन्होंने कहा कि इस बार की मशाल दौड़ शहीद चौक कसया से शुरू होकर शहीद के पैतृक गांव भेलया होते हुए पावानगर महावीर इंटर कॉलेज के खेल ग्राउंड तक जायेगा। आयोजन समिति के व्यवस्थापक टी एन राय ने कहा कि समिति के सभी सदस्यों और पदाधिकारियो को जो जिमेदारिया दी गई है।

व्हाट्सऐप पर रात 12 बजे देखा भाई का स्टेटस, बहन ने भाभी को किया कॉल कमरा खोलते ही परिवार की निकल गई चीख

आर्यावर्त संवाददाता

बलिया। देश में आत्महत्या के कई केस रोजाना देखने और सुनने को मिलते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के बलिया से भी सामने आया है। यहां एक शख्स ने शनिवार देर रात अपने व्हाट्सऐप पर एक स्टेटस लगाया। रात 12 बजे जैसे ही उसकी बहन ने वो स्टेटस देखा तो तुरंत भाभी को कॉल कर दिया। परिवार जैसे ही शख्स के कमरे में दाखिल हुआ तो उनकी चीख निकल पड़ी। शख्स ने आत्महत्या कर ली थी।

तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। उसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामला हरपुर पुरानी बस्ती मोहल्ला का है। जानकारी के मुताबिक, 38 साल का अनीश मिश्र उर्फ डमडम अपने परिवार के साथ यहां रहता था। शनिवार रात को उसने डिनर किया। फिर अपने कमरे में चला गया। परिवार को लगा कि वो सो गया है।

इसी बीच उसकी बहन जो कि शादीशुदा है उसने रात को करीब 12 बजे डमडम का व्हाट्सऐप स्टेटस देखा। भाई का स्टेटस देख बहन के पैरों तले जमीन खिसक गई। डमडम ने लिखा था- मेरी मौत बस एक इत्तेफाक है। घबराकर बहन ने तुरंत अपनी भाभी को फोन किया। पूरी बात उन्हें बताई। फिर घर वाले दौड़कर डमडम के कमरे में पहंचे। वहां डमडम का शव फंदे से लटका मिला।

थम चुकी थीं डमडम की सांसें

डमडम का शव देख पत्नी रीना सहित बाकी की भी चीख निकल गई। शोर सुनकर आस-पड़ोस के लोग भी वहां पहुंचे। लोग उसे अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन पाया कि डमडम की सांसें थम चुकी हैं। इसलिए उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। बिना देर किए पुलिस मौके पर पहुंची। डमडम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

डिप्रेशन में था डमडम

परिवार ने पुलिस को बताया- डमडम को कुछ माह पहले कैंसर हो गया था। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में उसकी बीमारी का इलाज कराया गया था। रोग काफी हद तक ठीक हो चुका था। लेकिन डमडम इसे लेकर काफी अवसाद में था। इसी बीच उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के दो बच्चे भी हैं। डमडम की मौत से परिवार वाले सदमे में हैं। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

डेट पर जाने के लिए चुन रही हैं ड्रेस तो पहले इन बातों का रखें ध्यान, तभी मिलेगा सही लुक

डेट पर जाने के लिए ड्रेस चुननी है, लेकिन कन्फ्यूजन है, क्योंकि ऑप्शन की भरमार है और सजेशंस की भी कमी नहीं है तो ऐसे में सबसे जरूरी है कि आप पहले कुछ बातों का ध्यान रखें, तभी एक परफेक्ट लुक पाया जा सकता है।

फैशन की बात हो तो हर कोई ट्रेंड के हिसाब से चलना चाहता है और एक्टर-एक्ट्रेसेस की तरह आउटफिट को कॉपी करने का भी काफी क्रेज देखने को मिलता है। ऐसे में बात अगर डेट पर जाने की हो तो हर कोई एक्साइटेड रहता है और लड़कियां अपनी ड्रेस के डिजाइन को चुनने में काफी परेशान हो जाती हैं, क्योंकि परफेक्ट लुक पाने की बात करें तो मार्केट में आउटफिट्स डिजाइन की भरमार है। स्टाइलिश कैसे दिखा जा सकता हैइसके लिए सजेशनंस की भी कोई कमी नहीं है और इसलिए काफी कन्फ्यूजन भी हो जाती है। एक्साइटमेंट में या किसी के सजेशन पर आंखमूंदकर भरोसा करके ड्रेस खरीद लेना या फिर कॉपी कर लेना सही नहीं होता है। दरअसल सही लुक न होने पर आप अनकंफर्टेबल हो जाते हैं और डेट का मजा किरकिरा हो सकता है।

कई बार ऐसा होता है कि हमारी दोस्त-सिस्टर या एक्ट्रेस ने जैसा आउटफिट चुना है और पसंद आ गया तो हम भी वैसा ही ले लेते हैं, लेकिन हो सकता है कि जो चीज दूसरे पर अच्छी लग रही हो वह आपके ऊपर बेकार लगे या फिर जो चीज आपके ऊपर बहुत अच्छी लगती है वो किसी और के ऊपर अच्छी न लगे। इसलिए अगर डेट पर जा रही हैं तो एक्साइटमेंट में ड्रेस न चुनें, बल्कि इससे पहले कुछ बातों को ध्यान में रखें।

अपनी बॉडी टाइप और स्किन टोन का रखें ध्यान

एक सही ड्रेस चुनने के लिए जरूरी है कि आप अपने बॉडी टाइप को जानें। इसके लिए वेस्ट, चेस्ट, हिप आदि की माप लें ताकि आप जान पाएं कि आपकी बॉडी पियर शेप है, एप्पल शेप, ऑवरग्लास। इस तरह से आप एक ड्रेस ले पाएंगी। वैसे तो फैशन में एक्सपेरिमेंट करने से नहीं डरना चाहिए, लेकिन बात अगर डेट जैसे मौके पर परफेक्ट लुक पाने की हो तो बॉडी टाइप के साथ ही स्किन टोन को ध्यान में रखते हुए कलर्स का चुनाव करना चाहिए।

मौसम किस तरह का है?

डेट के लिए ड्रेस चुनते वक्त सिर्फ स्टाइल देखना काफी नहीं है, बल्कि यह भी देखें कि मौसम का मिजाज कैसा है। आप दिन में डेट पर जा रहे हैं या फिर रात का मौसम है। इससे आप एक स्टाइलिश और कंफर्टेबल आउटफिट का चुनाव कर पाएंगी। अमूमन दिन के मुकाबले रात के समय मौसम थोड़ा ठंडा हो सकता है।

डेट पर कहां जा रहे हैं यानी वेन्यू क्या है?

ड्रेस का चुनाव करते वक्त यह भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि वेन्यू क्या है। इससे आप अंदाजा लगा पाएंगी कि आपको उस प्लेस के हिसाब से कैसी ड्रेस पहननी होगी। जैसे अगर कैजुअल डेट है तो फॉर्मल ड्रेस चुनी जा सकती है।

एक्सेसरीज बहुत ही सोच-समझकर चुनें

परफेक्ट लुक तभी मिलता है जब आप ड्रेस के साथ सही एक्सेसरीज चुनती हैं। इसलिए ईयररिंग से लेकर नोजपिन, एंक्लेट और सैंडल तक हर चीज का चुनाव अपनी ड्रेस और वेन्यू के हिसाब से करें, नहीं तो आपको काफी ज्यादा उलझन हो सकती है।

इस सबसे जरूरी बात का रखें ध्यान

डेट है तो एक्साइटमेंट होना लाजिमी है और यही कोशिश की जाती है कि पार्टनर की पसंद का कुछ पहना जाए, लेकिन सबसे जरूरी है कि आप अपना कंफर्ट देखें। आपको क्या पसंद है आप किस तरह की ड्रेस, फुटवियर और एक्सेसरीज में कंफर्टेबल महसूस करती हैं यह सबसे जरूरी है। तभी आप पूरी तरह से कॉन्फिडेंट रह पाएंगी जो स्टाइलिश दिखने के लिए सबसे ज्यादा इंपोर्टेंट होता है।

बाल बनेंगे हेल्दी, निखरेगा चेहरा, ऐसे अप्लाई करें विटामिन ई का कैप्सूल

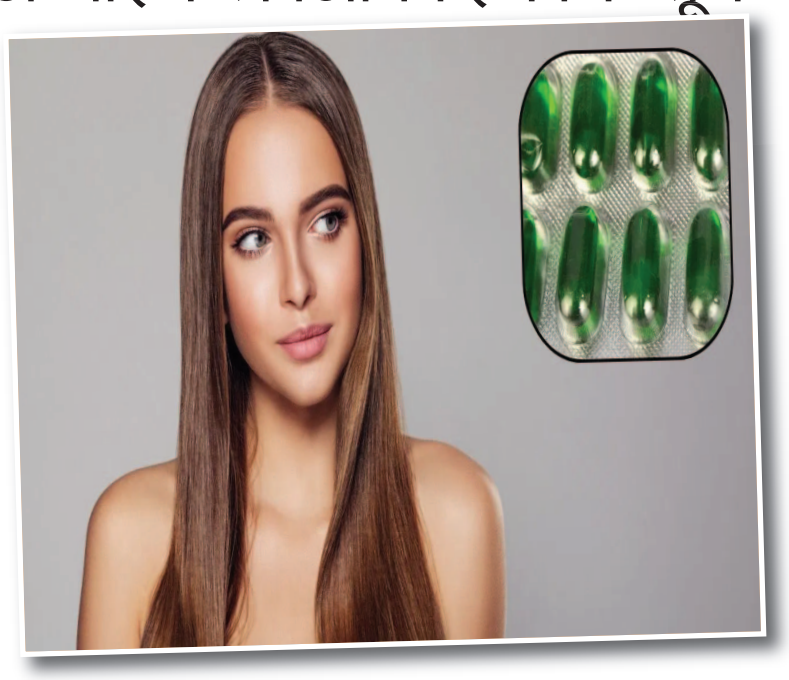

विटामिन ई हेल्थ के लिए तो जरूरी है ही, इसके अलावा इसे ब्यूटी का विटामिन भी कहते हैं। विटामिन ई ब्लड सेल्स को बढ़ाने, आंखों, और कोशिकाओं को स्वस्थ रखने का काम करता है, इसलिए ये न सिर्फ स्किन के लिए बल्कि बालों के लिए भी बेहद फायदेमंद रहता है। हेल्दी स्किन और हेयर पाने के लिए विटामिन ई से भरपूर फूड्स जैसे बादाम, सूरजमुखी के बीज, चिलगोजा, पपीता, शिमला मिर्च, जैतून का तेल, जैतून (ऑलिव) आदि का सेवन करना फायदेमंद रहता है। वहीं स्किन और हेयर पर अप्लाई करने के लिए विटामिन ई के कैप्सूल भी आते हैं, जिनका यूज बालों और त्वचा को पोषण देने के लिए किया जा सकता है।

विटामिन ई त्वचा और बालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं माना जाता है। त्वचा को हेल्दी बनाए रखने और बालों की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इसके कैप्सूल को कुछ इनग्रेडिएंट्स के साथ मिलाकर अप्लाई किया जा सकता है तो चलिए जान लेते हैं कि कैसे बालों और स्किन को हेल्दी बनाएगा विटामिन ई का कैप्सूल

स्किन को मिलते हैं ये फायदे

विटामिन ई का कैप्सूल अप्लाई करने से स्किन का रूखापन कम होता है, जिससे समय से पहले महीन लाइनें और झुर्रियां होने की संभावना नहीं रहती है। इसके अलावा इससे दाग-धब्बे भी दूर होते हैं और स्किन नेचुरली ग्लोइंग बनती है। डैमेज स्किन सेल्स को रिपेयर करने में भी विटामिन ई का कैप्सूल कारगर माना जाता है।

ऐसे करें चेहरे पर अप्लाई विटामिन ई का कैप्सूल

विटामिन ई के कैप्सूल को सीधे त्वचा पर अप्लाई किया जा सकता है, लेकिन स्किन सेंसेटिव न हो। इसके अलावा इसे एलोवेरा जेल में मिलाकर लगा सकते हैं। इसे चेहरे पर कम से कम 25 से 30 मिनट लगाएं और फिर फेस वॉश कर लें। इस तरह हफ्ते में दो बार इस पैक को अप्लाई किया जा सकता है। इससे स्किन चमकदार बनेगी।

बालों के लिए विटामिन ई का कैप्सूल

विटामिन ई बालों की स्कैल्प को स्वस्थ रखने में कारगर है, जिससे हेयर फॉल, डैंड्रफ, जैसी दिक्कतें दूर होती हैं। विटामिन ई का कैप्सूल डैमेज हेयर को रिपेयर करने का काम भी करता है, जिससे ड्राई हेयर, दो-मुंहे बालों से निजात मिलती है और बालों में चमक बढ़ती है।

बालों में इस तरह अप्लाई करें विटामिन ई का कैप्सूल

हेल्दी हेयर के लिए विटामिन ई के दो कैप्सूल लें और इसमें दही, अंडा मिलाकर बालों में अप्लाई करें। इससे आपको पहली बार में ही बेहतरीन फर्क देखने को मिलेगा। इसके अलावा कोकोनट ऑयल में विटामिन ई का कैप्सूल मिलाकर बालों में लगाया जा सकता है।

अकेले ट्रैवल करने में लगता है डर? इन टिप्स को करें फॉलो नहीं होगा स्ट्रेस

ट्रैवल करने के नाम से कुछ लोग तो तुरंत तैयार हो जाते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनको अकेले कहीं जाने के नाम से ही स्ट्रेस, घबराहट होने लगती है। तो चलिए जान लेते हैं कि कैसे आप बिना स्ट्रेस के अकेले सफर कर सकते हैं और सोलो ट्रैवलिंग करने का एक्सपीरियंस ले सकते हैं।

ट्रैवल करना न सिर्फ इसलिए जरूरी होता है कि आपको कहीं घूमने जाना है, बल्कि इसलिए भी जरूरी है कि जरूरत पड़ने पर भी आप कहीं जा सकें और आपको घबराहट न हो। ट्रेवलिंग करना और अलग-अलग जगहों को एक्सप्लोर करना न सिर्फ आपको स्ट्रेस से छुटकारा दिला सकता है, बल्कि आप नई-नई चीजों को सीखते हैं। फिर चाहे वह किसी जगह की भौगोलिक स्थिति हो, संस्कृति, भाषा हो या फिर खानपान, हर जगह की अपनी खासियत होती है और आपको हर ट्रिप पर कुछ नया सीखने को मिलता है। कुछ लोग घूमने-फिरने के नाम से ही खुश हो जाते हैं तो वहीं कुछ लोगों को अकेले ट्रैवल करना काफी घबराहट और एंग्जायटी भरा काम लगता है।

आप अकेले चीजों को जिस तरह से देख समझ पाते हैं उस तरह से दोस्तों और परिवार के साथ एक्सपीरियंस नहीं कर सकते हैं। इसलिए काम के सिलसिले में कहीं जाना हो या फिर ट्रिप, कई बार अकेले ट्रेवल करना भी जरूरी होता है। आप भी अगर उन लोगों में से हैं जो दोस्तों और परिवार के साथ तो आराम से घूम लेते हैं, लेकिन अकेले ट्रैवल करना काफी हैक्टिक लगता है तो कुछ सिंपल टिप्स को फॉलो करके आप सोलो ट्रैवलिंग करना सीख सकते हैं साथ ही में आपको कोई घबराहट और स्ट्रेस भी नहीं होगा। इससे आप खुद में एक नयापन भी खोज पाएंगे।

पहला कदम बढ़ाना है सबसे जरूरी

अक्सर लोग यही कहते रहते हैं कि वह अकेले ट्रैवल नहीं कर पाएंगे और इसी डर की वजह से वह कई जगहों पर घूमने-फिरने का एक्सपीरियंस लेने से चूक जाते हैं। इसलिए सबसे जरूरी है कि आप अपना पहला कदम बढ़ाएं और कम दूरी की ही सही लेकिन अकेले एक ट्रिप प्लान करें या फिर काम के सिलसिले में कहीं जाना है तो सोलो ट्रैवल ही करें। इससे आपको पता चलेगा कि जितना आप अकेले घूमना कठिन समझते थे, असल में ये उतना भी मुश्किल नहीं है।

जगह के बारे में पहले ही जुटा लें सारी जानकारी

बहुत सारे ऐसे लोग होते हैं जिनको इस बात को सोचकर स्ट्रेस हो जाता है कि खाना, ठहरना, कैसे होगा या फिर घूमने के लिए कहां-कहां जाना होगा। सबसे बड़ा डर होता है कि अनजान जगह पर वह खो तो नहीं जाएंगे। इन सारी चीजों के स्ट्रेस से बचने के लिए जरूरी है कि गूगल की मदद से और अपने करीबियों व दोस्तों से जानकारी जुटा लें। इसके लिए किसी ऐसे इंसान की हेल्प ली जा सकती है जो ट्रैवल करता हो या उस जगह के बारे में जानकारी रखता हो। किसी भी जगह के मौसम, ठहरने की जगहें, जहां जाना, खाने का इंतजाम कैसा है आदि चीजें पता कर लें ताकि आपको स्ट्रेस न हो।

क्या चीज करती है आपको ट्रिगर?

आपको सबसे पहले यह पहचानना होगा कि आपको किस चीज से ज्यादा डर लगता है यानी क्या आप ट्रेन, बस आदि में सफर करते वक्त असुरक्षित महसूस करते हैं (ट्रेन छूटना, बस नहीं पकड़ पाएंगे) या फिर ट्रांसपोर्ट वाहनों में बैठने के बाद आपकी तबियत खराब होने लगती है तो इस स्थिति में अपने साथ मेडिसिन रखें, भरपूर मात्रा में पानी पीते रहें, सफर में भारी खाना न खाएं, पहले से ही सही टाइमिंग का पता कर लें और सफर के दौरान खुद को थोड़ा बिजी रखें, जैसे म्यूजिक सुनना, कोई सीरीज देखना, बुक पढ़ना जैसी चीजें आपकी मदद कर सकती हैं।

सेफ्टी का ऐसे रखें ध्यान

अकेले ट्रैवल करते वक्त सेफ्टी का ध्यान रखना सबसे ज्यादा चिंता की बात होती है, लेकिन आजकल कई विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्रतिष्ठित कंपनियों के कैब बुक करें और उससे जुड़ी सभी जानकारी व अपनी लोकेशन किसी परिचित को शेयर करके रखें। लोकल ऑटो या फिर ई रिक्शा में सफर करना पड़े तो भी उस दौरान नंबर प्लेट का फोटो अपने पास रखें। इसके अलावा अपने पास मोबाइल का चार्जर और पावर बैंक ले जाना गलती से भी न भूलें। इन सारी चीजों को ध्यान में रखकर सेफ्टी को लेकर भी आपको स्ट्रेस नहीं होगा और सबसे बड़ी चीज है कि अगर एक बार अकेले ट्रैवल कर लिया तो दोबारा आपको किसी तरह की उलझन नहीं होगी।

फूड ऑर्डर की डिलीवरी न होने पर पा सकते हैं मुआवजा

भारत में फूड डिलीवरी एप्स या प्लेटफॉर्म से भोजन ऑर्डर करने का ट्रेंड लगातार बढ़ता जा रहा है। भोजन का ऑर्डर करने में ये एप्स सुविधाजनक तो हैं, लेकिन कई बार देर से डिलीवरी मिलने, ऑर्डर किए हुए भोजन के बजाय कुछ और भेज देने या भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण मजा खराब हो जाता है। इन मामलों में मदद करने के लिए उपभोक्ता कानून हैं। आइए जानते हैं कि ग्राहकों के पास इसको लेकर क्या अधिकार हैं और इनका इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है।

क्या हैं उपभोक्ता अधिकार? उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(9) में उपभोक्ता अधिकारों के बारे में स्पष्ट व्याख्या की गई है। धारा 2(9)(i) के अनुसार उपभोक्ताओं को घातक उत्पादों से सुरक्षा का अधिकार प्राप्त है। यानी इसके अनुसार उपभोक्ताओं को बासी भोजन या नुकसानदायक भोजन नहीं दिया जा सकता। उपभोक्ताओं को वस्तुओं, उत्पादों या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा और कीमत के बारे में सूचित किए जाने का अधिकार भी है। इसका मतलब है कि खाद्य वितरण प्लेटफॉर्मों और रेस्तराओं को पारदर्शिता बनाए रखनी होगी। हालांकि इन अधिकारों के बावजूद कई बार इनका उल्लंघन होता है। इस पर धारा 2(9)(v) 'निवारण (समस्या का समाधान) मांगने का अधिकार' प्रदान करती है।

विलंब या डिलीवर न होने पर क्या करें? फूड डिलीवरी मार्केट का मूल मंत्र है ऑर्डर की गई भोजन सामग्री की समय पर डिलीवरी। इसलिए अगर कोई सर्विस प्रदाता इसमें देरी करता है या डिलीवरी ही नहीं कर पाता है तो इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अनुसार सेवा में कमी माना जाता है। इस सिलसिले में केरल के अरुण कृष्णन के मामले को लिया जा सकता है। उनके एक ऑर्डर को एक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म डिलीवर नहीं कर पाया। इसलिए अरुण को वही आइटम दोबारा से ऑर्डर करना पड़ा। हालांकि वह भी उपभोक्ता को डिलीवर नहीं किया जा सका और कोई रिफंड भी नहीं दिया गया। उपभोक्ता आयोग ने अधिनियम की धारा 2(6)(iii) के अनुसार इसे सेवा में कमी माना। रिफंड नहीं करने को अधिनियम की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार माना गया। आयोग ने अरुण द्वारा भुगतान की गई राशि वापस करने का आदेश दिया, साथ ही मानसिक पीड़ा के लिए 5,000 रुपए और मुकदमे की लागत के रूप में 3,000 रुपए देने का आदेश भी दिया। ऑर्डर एकतरफा रद्द कर देने पर ग्राहकों को लुभाने के लिए कुछ डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने 'समय पर पाएं ऑर्डर या न मिलने पर मुफ्त पाएं' जैसे अभियान चलाए। अंबाला में एक व्यक्ति ने देर रात को अपने बच्चों के लिए पिज्जा ऑर्डर किया, लेकिन डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने इसे एकतरफा रद्द कर दिया। व्यक्ति ने पहले जिला आयोग में और फिर राज्य आयोग में शिकायत दर्ज की। यह स्थिति तब थी, जब व्यक्ति ने 'समय पर ऑर्डर' योजना का लाभ उठाने के लिए 10 रुपए अतिरिक्त भुगतान किया था। आयोग ने कहा कि अगर डिलीवरी प्लेटफॉर्म 'इस तरह के वादे पूरे नहीं कर सकते' तो उन्हें 'लुभावने विज्ञापन नहीं देने चाहिए या ऐसे अभियान लॉन्च नहीं करने चाहिए।' शिकायतकर्ता को मुआवजे के रूप में 10,000 रुपए और एक फ्री मील वाउचर दिया गया।

शाकाहारी बनाम मांसाहारी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें रेस्टॉरेंट ने ऑर्डर में गड़बड़ी की और शाकाहारी की जगह मांसाहारी खाना परोस दिया। इससे उपभोक्ताओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं और ऐसे कई मामले उपभोक्ता आयोगों के सामने आए। लुधियाना में एक उपभोक्ता को वेज बिरयानी की जगह चिकन बिरयानी देने पर जिला आयोग ने 50,000 रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया। इसी तरह जब एक बड़ी फूड चेन ने एक शाकाहारी परिवार को मांसाहारी खाना परोस दिया तो जोधपुर जिला आयोग ने एक लाख रुपए का मुआवजा और 5,000 रुपए मुकदमा खर्च देने का आदेश दिया। (लेखक सीएएससी के सचिव भी हैं।)

अब सरकार के साथ व्यापार करना होगा आसान, जीईएम पर नहीं लगेगा ये चार्ज

देश में सरकार को कई तरह के सामान और सर्विसेस की जरूरत होती है. आम आदमी, छोटे कारोबारी सरकार तक अपने इन सामान और सर्विस को आसानी से पहुंचा सकें, इसलिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) जैसा पोर्टल भी बनाया गया है। अब इस पोर्टल पर कारोबार करना काफी आसान होने वाला है क्योंकि सरकार ने इससे जुड़े एक बड़े चार्ज को घटा दिया है।

सार्वजनिक खरीद के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'GeM' ने अब पोर्टल पर विक्रेताओं और सर्विस प्रोवाइडर्स पर लगाए जाने वाले ट्रांजेक्शन शुल्क में बड़ी कटौती की है। एजेंसी ने एक सीनियर ऑफिशियल के हवाले से खबर दी है।

अब 10 लाख तक नहीं लगेगा ट्रांजेक्शन शुल्क

जीईएम के सीईओ की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे अजीत बी। चव्हाण ने बताया कि लेनदेन शुल्क में कटौती का यह कदम सरकार का एक साहसिक फैसला है। ये केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों की पहल का हिस्सा है।

उन्होंने कहा, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने और अधिक समावेशी अर्थव्यवस्था बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता के साथ तालमेल बिठाते हुए जीईएम ने हाल ही में अपने प्लेटफॉर्म पर लेनदेन करने वाले विक्रेताओं, सर्विस प्रोवाइडर्स पर लगाए जाने वाले लेनदेन शुल्क में बड़ी कटौती की है। जीईएम ने नौ अगस्त से पोर्टल की नई रेवेन्यू पॉलिसी लागू की है। इसके हिसाब से अब 10 लाख रुपए तक के सभी ऑर्डर पर जीरो ट्रांजेक्शन फीस लगेगी। पहले ये लिमिट 5 लाख रुपए की थी।

10 लाख से ज्यादा के ऑर्डर पर लगेगा इतना चार्ज

अजीत बी। चव्हाण ने ये भी बताया कि 10 लाख रुपए से 10 करोड़ रुपए तक के ऑर्डर पर कुल ऑर्डर मूल्य का 0.130 प्रतिशत लेनदेन शुल्क लगाया जाएगा, जबकि पहले यह भी 0.145 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ रुपए से अधिक के ऑर्डर पर अब तीन लाख रुपए का एकसमान शुल्क देना होगा, जो पहले 72.15 लाख रुपए तक के लेनदेन पर लगने वाले शुल्क से काफी कम है।

अधिकारी का कहना है कि नए बदलावों के बाद जीईएम पोर्टल पर लगभग 97 प्रतिशत लेनदेन पर कोई लेनदेन शुल्क नहीं लगेगा। जबकि शेष पर 10 लाख रुपए से अधिक के ऑर्डर मूल्य का 0.30 प्रतिशत शुल्क लगेगा। वह भी अधिकतम तीन लाख रुपए तक होगा।

उन्होंने कहा कि नई लेनदेन शुल्क संरचना का उद्देश्य छोटे एवं मझोले कारोबारियों को फायदा पहुंचाना है। जीईएमएक एकीकृत डिजिटल मंच है जो विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों के विभागों, सार्वजनिक उद्यमों, स्वायत्त निकायों, पंचायतों, राज्य सहकारी समितियों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की सुविधा देता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2016 में की गई थी।

36 भारतीय स्टार्टअप कंपनियों को इस सप्ताह मिली 628 मिलियन डॉलर की फंडिंग

मुंबई, एजेंसी। 36 भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने इस सप्ताह 628 मिलियन डॉलर की फंडिंग को हासिल किया है, जो पिछले सप्ताह की तुलना में 174.5 प्रतिशत अधिक है। इस फंडिंग का नेतृत्व एडटेक कंपनी फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) ने किया है। उन्होंने बी फंडिंग राउंड में 210 बिलियन डॉलर हासिल किए हैं। इसी के साथ कंपनी का नेटवर्थ 2.8 बिलियन डॉलर हो गया है, जिसमें लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स और मौजूदा निवेशक जीएसवी और वेस्टब्रिज की महत्वपूर्ण भागीदारी थी।

इस सप्ताह देश में सकारात्मक निवेश के बीच 14 विकास-चरण सौदे और 17 प्रारंभिक चरण के सौदे हुए हैं। एंट्रैकर की एक रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल एडॉप्शन सॉल्यूशन प्रोवाइडर व्हाटफिक्स ने 100 मिलियन डॉलर जुटाए। हालांकि, कंपनी ने अभी तक फंडिंग सार्वजनिक नहीं की है। इसके अलावा एपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म एम2पी फिनटेक ने 50 मिलियन डॉलर जुटाए। वहीं, ओमनीचैनल डायग्नोस्टिक सर्विस प्रोवाइडर रेडक्लिफ ने 42 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की। यही नहीं, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी आईबीयूएस को 34 मिलियन डॉलर की फंडिंग मिली है।

फ्लीट मैनेजमेंट कंपनी एवरेस्ट फ्लीट को 30 मिलियन डॉलर की फंडिंग मिली, ताकि वह सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएस) सहित स्वच्छ ऊर्जा वाहनों के अपने बेड़े का विस्तार कर सके। इसके अलावा एक एआई संचालित भर्ती प्लेटफॉर्म, वाहन.एआई ने खोसला वेंचर्स के नेतृत्व में 10 मिलियन डॉलर फंडिंग की घोषणा की है। इस राशि का इस्तेमाल आठ प्रमुख भारतीय भाषाओं का समर्थन करने के लिए एआई भर्ती तकनीक विकसित करने के लिए किया जाएगा।

इस सप्ताह 12 सौदों के साथ बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप कंपनी सबसे आगे रही है। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद का स्थान रहा है। पिछले सप्ताह, 24 डोमेस्टिक स्टार्टअप ने 229 मिलियन डॉलर से अधिक की राशि हासिल की है, जिसमें 182.65 मिलियन डॉलर के छह विकास-चरण सौदे शामिल थे। इस सप्ताह 46.14 मिलियन डॉलर के 13 शुरुआती चरण के सौदे हुए हैं। पिछले आठ सप्ताह में औसत वित्त पोषण लगभग 93 मिलियन डॉलर रहा है, जिसमें प्रति सप्ताह 28 सौदे हुए हैं।

इजराइल के दुश्मन देश से मिले प्रधानमंत्री मोदी, संघर्ष पर दिया ये आश्वासन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिनों की अमेरिका यात्रा पर हैं और यहां क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद फिलिस्तीन और नेपाल के नेताओं से मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात कर फिलिस्तीन के लोगों के लिए भारत के साथ का आश्वासन दिया है।

इस समय UN जनरल असेंबली में हिस्सा लेने के लिए दुनिया भर के नेता अमेरिका के न्यूयॉर्क में इकट्ठा हुए हैं। UN जनरल असेंबली सेशन के साइड लाइन विश्व नेता द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा के लिए एक दूसरे से मिल रहे हैं। इसी कड़ी में पीएम मोदी और फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास के बीच मुलाकात हुई है।

पीएम मोदी की राष्ट्रपति महमूद से मुलाकात इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि गाजा संघर्ष की शुरुआत से ही भारत शांति की अपील करता रहा है। भारत के इजराइल और फिलिस्तीन दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस्राइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भारत की पुरानी और सिद्ध स्थिति को दोहराया, और संघर्षविराम, बंधकों की रिहाई, और संवाद एवं कूटनीति के रास्ते पर लौटने की अपील की। उन्होंने जोर दिया कि केवल टू-स्टेट समाधान से ही क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता प्राप्त की जा सकती है। यह याद दिलाते हुए कि भारत उन पहले देशों में से एक था जिसने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता के प्रति भारत के समर्थन की पुष्टि की।

इस संघर्ष में शांति वार्ता के लिए अब सभी देश भारत की और देख रहे हैं। अमेरिका, कतर और मिस्र की मध्यस्थता नाकाम होने के बाद माना जा रहा है इस संघर्ष में भारत अहम भूमिका निभा सकता है।

गाजा की मानवीय स्थिति पर चिंता

इस मुलाकात के बार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महामहिम महमूद अब्बास से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने गाजा में मानवीय स्थिति पर गहरी चिंता जताई और फिलिस्तीन के लोगों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की।"

प्रधानमंत्री मोदी कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों से ये कह चुके हैं कि ये दौर जंग का दौर नहीं है और भारत सबसे दोस्ती का भाव लेकर आगे बढ़ रहा है। जहां विश्व के कई मोर्चों पर तनाव है और ताकतवर देश किसी न किसी देश या पक्ष का समर्थन कर रहे हैं, वहीं भारत सबसे अपने रिश्ते बेहतर रखने और शांति कायम करने की कोशिश कर रहा है। गाजा ही नहीं, यूक्रेन रूस विवाद में भी भारत के दोनों देशों से अच्छे संबंध हैं और इस संघर्ष में भी भारत संघर्ष विराम की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका के दिग्गज CEOs से मिले पीएम मोदी; द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और भारतीय प्रवासियों से भी मिले। इसके अलावा वे प्रमुख अमेरिकी तकनीक कंपनियों के सीईओ के साथ एक बैठक में भी शामिल हुए। इस बैठक में उन्होंने भारत की विकास संभावनाओं पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने की पहल पर चर्चा की। यह बैठक रविवार को लोट्टे न्यूयॉर्क पैलेस होटल में हुई। बैठक में कई अमेरिकी फर्मों के सीईओ ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'न्यूयॉर्क में तकनीक कंपनियों के सीईओ के साथ बैठक में शामिल हुआ। उनके साथ तकनीक और नवीनीकरण पर चर्चा हुई। इस क्षेत्र में भारत की प्रगति पर भी बात की गई। भारत के प्रति आशावाद देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।'

इजराइल के खिलाफ प्रस्ताव पर नहीं लिया वोटिंग में हिस्सा

भारत फिलिस्तीन के लोगों के साथ हमेशा से रहा है लेकिन आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की नीति स्पष्ट है। जब 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल में हमास ने हमला किया तो भारत ने इसकी आलोचना की। वहीं, गाजा में मानवीय संकट पर भी भारत चिंता जताता रहा है। लेकिन हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में जब फिलिस्तीन में इजराइल के अवैध कब्जे के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया तो वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। यानी भारत ने एक तरह से इजराइल और हमास के संघर्ष से खुद को अलग कर लिया। हालांकि, दुनिया के 124 देशों ने इजराइल के खिलाफ वोटिंग की लेकिन भारत समेत 43 देशों ने इस वोटिंग से ही खुद को अलग कर लिया था।

अमेरिका में इन नेताओं से भी मिले

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने अमेरिकी दौरे से दूसरे दिन न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के अवसर पर कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से मुलाकात की। यह प्रधानमंत्री और कुवैत के क्राउन प्रिंस के बीच पहली बैठक थी। इसके अलावा पीएम मोदी की मुलाकात नेपाल के प्रधानमंत्री से भी हुई।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात अच्छी रही, न्यूयॉर्क में बोले नेपाल के प्रधानमंत्री ओली

न्यूयॉर्क, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क के लोटे न्यूयॉर्क पैलेस होटल में नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद ओली ने बताया कि बैठक बहुत अच्छी रही। केपी शर्मा ओली ने इस साल जुलाई में पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के बाद तीसरी बार नेपाल के पीएम के रूप में शपथ ली थी, जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात है।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त होने के बाद पीएम मोदी ने ओली को बधाई दी थी। उन्होंने दोस्ती के गहरे बंधन को और मजबूत करने और दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग का विस्तार करने के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद जताई थी।

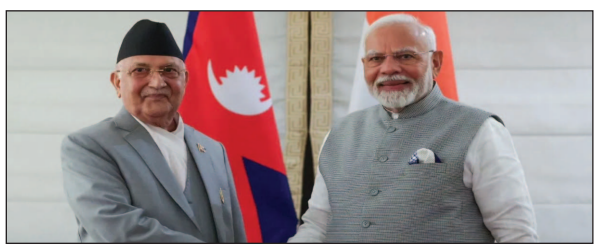

सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध

नेपाल पांच भारतीय राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ सीमा साझा करता है। भारत और नेपाल के बीच मौजूद सदियों पुराने सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंध दोनों देशों के बीच मजबूत लोगों के बीच संबंधों से साफ होते हैं। नेपाल 'पड़ोसी पहले' नीति के तहत भारत का एक प्राथमिकता वाला साझेदार है। भारत और नेपाल के बीच उच्च स्तर पर नियमित आदान-प्रदान से दोनों देशों के बीच मित्रता के बंधन भी मजबूत होते हैं। मई 2014 से, राज्य प्रमुख और सरकार के प्रमुख के स्तर पर 17 आदान-प्रदान हुए हैं।

2014 से पांच बार नेपाल का दौरा

पीएम मोदी ने मई 2014 से पांच बार नेपाल का दौरा किया है और नेपाल के प्रधानमंत्रियों ने मई 2014 से 10 बार भारत का दौरा किया है। पीएम मोदी की नेपाल की अंतिम यात्रा बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर मई 2022 में लुंबिनी की उनकी यात्रा थी।

नेपाल में सबसे बड़े निवेशक

भारतीय फर्म नेपाल में सबसे बड़े निवेशकों में से हैं, नेपाल में कुल एफडीआई स्टॉक का 33.15 प्रतिशत हिस्सा है, जिसकी कीमत लगभग 670 मिलियन अमरीकी डॉलर है। नेपाल भारत का 17वां सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है, जो 2014 में 28वें स्थान से ऊपर है। इसमें भारत से नेपाल को 8.1015 बिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात और नेपाल से भारत को 839.162 मिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात शामिल है।

अगर चुनाव हार गया तो...डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका को फिर चेताया, कर दी भविष्यवाणी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को बड़ा ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर वो 2024 में व्हाइट हाउस में वापसी करने में असफल रहे तो वो 2028 में फिर से राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ेंगे। पूर्व राष्ट्रपति का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ट्रंप चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की संभावना को खारिज करते दिखे और क्योंकि वे शायद ही कभी इस बात स्वीकार करते हैं कि वो वैध रूप से चुनाव हार सकते हैं।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप आमतौर पर इस बात पर जोर देते हैं कि ऐसा तभी हो सकता है जब धोखाधड़ी हो। उन्होंने यह आरोप 2020 में भी लगाया था और उनके 2024 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान भी लगाया गया है।

2028 में 82 साल के हो जाएंगे ट्रंप

2028 के राष्ट्रपति चुनाव तक ट्रंप की उम्र 82 वर्ष हो जाएगी, जो राष्ट्रपति बाइडेन की वर्तमान उम्र से एक साल अधिक है। जुलाई में बाइडेन ने बहस में अपने खराब प्रदर्शन और बहुत अधिक उम्रदराज होने का आरोप लगाए जाने के बाद दौड़ से बाहर हो गए थे। जिसके बाद उन्होंने कमला हैरिस को अपना समर्थन दे दिया था।

कोरोना महामारी पर किया बचाव

एक इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कोरोना वायरस महामारी पर अपने रिकॉर्ड का बचाव भी किया। उन्होंने अपने राष्ट्रपति पद के दौरान विकसित किए गए कोविड-19 टीकों के विकास का श्रेय लिया और साथ ही कहा कि वे टीकों पर अध्ययन कर रहे हैं और पता लगाने जा रहे हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं।

ट्रंप ने बताया अच्छे हेल्थ का राज

ट्रंप ने कहा कि रिपब्लिकन टीकों को लेकर संशय में हैं, जबकि डेमोक्रेट उन पर भरोसा करते हैं। 2028 के बारे में उनका बयान इंटरव्यू के लास्ट में आया, जिसमें यह भी सवाल शामिल था कि ट्रंप कैसे अच्छे स्वास्थ्य में रहते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि मैं ठीक से खाने की कोशिश करता हूं।

कमला हैरिस हैं हमलावर

राष्ट्रपति जो बाइडेन के रेस से बाहर होने के बाद उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मैदान में हैं और कड़ी टक्कर दे रही हैं। वह लगातार ट्रंप पर हमलावर हैं, हैरिस ने इस चुनाव को अमेरिकी लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया है।

'चौथी बार सरकार बनने की गारंटी नहीं, लेकिन ...'

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में एक समारोह के दौरान मोदी सरकार में मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के प्रमुख रामदास अठावले को लेकर मजेदार तंज कसा है। गडकरी ने कहा कि, इस बात की गारंटी नहीं है कि हमारी सरकार चौथी बार लौटेगी, लेकिन यह निश्चित है कि रामदास अठावले मंत्री बनेंगे।

'चौथी बार अठावले मंत्री बनेंगे इस बात की गारंटी है'

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। जिसमें केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी मौजूद थे। कई सरकारों की कैबिनेट शामिल रहे कैबिनेट सहयोगी रामदास अठावले को लेकर गडकरी ने कहा कि, इस बात की गारंटी नहीं है कि हमारी सरकार चौथी बार लौटेगी, लेकिन रामदास अठावले चौथी बार सरकार में होंगे इसकी गारंटी है। जिसके बाद वहां मौजूद हर एक शख्स मुस्करा उठा।

'अठावले को राजनीति के उतार-चढ़ाव का अच्छे से पता है'

नितिन गडकरी ने राजद चीफ लालू प्रसाद यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि, एक बार लालू ने रामविलास पासवान को ₹राजनीति के बहुत बड़े मौसम वैज्ञानिक₹ कहा था। यह उपमा बताती है कि आठवले को राजनीति के उतार-चढ़ाव का बहुत अच्छे से पता होता है। हालांकि बाद में गडकरी ने कह दिया कि, मैं मजाक कर रहा था।

गडकरी ने आगे कहा कि, मैं रामदास अठावले को दिल से शुभकामनाएं देता हूं। उन्हें बेहतर जीवन और स्वस्थ जीवन मिले। मैं आप सभी की ओर से यह प्रार्थना करता हूं। मेरा मानना है कि उन्होंने दलितों और पीड़ित लोगों के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया। बता दें कि, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के नेता रामदास अठावले मोदी सरकार में तीसरी बार मंत्री बने हैं।

शिव-पार्वती को समर्पित भारत के 1000 साल पुराने मनकामेश्वर मंदिर में बाहरी प्रसाद पर लगा बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मनकामेश्वर मंदिरः आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरूपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के लड्डू में मिलावट का असर देश के अन्य मंदिरों पर भी देखने को मिल रहा है. तिरूपति बालाजी मंदिर के प्रसादम में मिले एनिमल फेट की रिपोर्ट के बाद इस घटना ने बहुत से भक्तों का दिल तोड़ दिया। अब खबर के सामने आने के बाद भारत के कई मंदिरों ने प्रसाद को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इस बीच उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित मनकामेश्वर मंदिर में बाजार से खरीदे जाने वाले प्रसाद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन चिंताओं के जवाब में महंत दिव्यगिरि ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर अनुरोध किया है कि भक्त मंदिर के गर्भगृह में अनुष्ठान के लिए केवल घर का बना प्रसाद या सूखे मेवे ही लेकर आएं। अधिसूचना के अनुसार, अब भक्तों को मंदिर के गर्भगृह में अनुष्ठान के लिए घर का बना प्रसाद या सूखे मेवे लाने होंगे। तिरूपति लाडू विवाद के बाद मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्यगिरि ने कहा, 'मंदिर में बाहर से लाया गया प्रसाद नहीं चढ़ाया जाएगा।

सैलजा पर सिमटा पूरा चुनाव, मिल रहे ऑफर पर ऑफर, किसे नफा और किसे नुकसान

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार से कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा के दूरी बनाए रखने के चलते राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस हाईकमान और भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सैलजा को लेकर जहां सैलजा को लेकर खामोशी इख्तियार कर रखी है तो बीजेपी से लेकर बसपा तक इस बात का मुद्दा बनाने में जुटी है। बीजेपी नेता व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, अर्जुन मेघवाल ही नहीं बसपा के कार्डिनेटर आकाश आनंद ने कुमारी सैलजा को अपने दलों में आने का ऑफर दिया है। इस तरह हरियाणा का पूरा चुनाव कुमारी सैलजा के मुद्दे पर सिमट गया है।

कांग्रेस की दिग्गज नेता और पार्टी की दलित चेहरा माने जाने वाली कुमारी सैलजा 12 सितंबर से साइलेंट मोड में है। विधानसभा चुनाव प्रचार में अभी तक नहीं उतरी है, जिसे विपक्षी दल कांग्रेस के खिलाफ चुनाव में सियासी हथियार बनाने में जुटे हैं। बसपा और बीजेपी की तरफ से सैलजा को ऑफर पर ऑफर देकर चुनावी एजेंडा सेट किए जाने लगे हैं। अब बसपा प्रमुख मायावती ने कुमारी सैलजा के बहाने दलित नेताओं और अपने समुदाय को साधने का बड़ा सियासी दांव चला है। ऐसे में देखना है कि चुनाव में किसे नफा और किसे नुकसान पहुंचता है?

चुनाव में दलित वोटों की अहम भूमिका

हरियाणा में इस बार के विधानसभा चुनाव में दलित वोटों को काफी निर्णायक माना जा रहा है। कांग्रेस का पूरा दारोमदार जहां दलित मतों पर टिका है तो वहीं विपक्ष की रणनीति है कि लोकसभा में कांग्रेस को मिले दलित वोटों में सेंध लगाई जाए। कुमारी सैलजा की नाराजगी को बीजेपी से लेकर बसपा तक दलित स्वाभिमान से जोड़ रही है। बीजेपी के कद्दावर नेता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और अनिल विज तक लगातार कह रहे हैं कि दलित होने की वजह से ही कांग्रेस ने कुमारी सैलजा का अपमान किया है।

सैलजा को लेकर बोली बीजेपी

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कुमारी सैलजा को लेकर कहा कि कांग्रेस की परंपरा ही दलितों का अपमान करने की है। बीजेपी किसी भी नेता का अपमान बर्दाश्त नहीं करती, न ही अपशब्दों के प्रयोग को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके समर्थकों ने कुमारी सैलजा का अपमान किया है, उसे जनता कभी नहीं भूलेगी, कांग्रेस को खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसी तरह बीजेपी के सभी नेता सैलजा को लेकर बोल रहे हैं।

"सैलजा के लिए BSP के दरवाजे खुले"

वहीं, आकाश आनंद से लेकर बसपा प्रमुख मायावती भी कुमारी सैलजा के बहाने दलित समुदाय को साधने का दांव चल रहे हैं। आकाश ने कहा कि कुमारी सैलजा के लिए बसपा के दरवाजे हमेशा के लिए खुले हैं। कांग्रेस दलित नेताओं को सम्मान नहीं करती है। अब मायावती ने भी कुमारी सैलजा को नसीहत देते हुए कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में अभी तक के हुए राजनीतिक घटनाक्रमों से यह साबित होता है कि कांग्रेस और अन्य जातिवादी पार्टियां दलित समाज के नेताओं और वोट को बुरे वक्त में सिर्फ इस्तेमाल करती हैं और फिर उन्हें दरकिनार कर देती हैं। दलित नेताओं को अपने मसीहा डा।अंबेडकर से प्रेरणा लेकर खुद ही ऐसी पार्टियों से अलग हो जाना चाहिए। साथ ही समाज को दूर रखना चाहिए। सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा हरियाणा में कांग्रेस की सबसे बड़ी दलित चेहरा मानी जाती हैं। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस टिकट बंटवारे में हुड्डा खेमे को ही अहमियत मिली है और सैलजा अपने 8 से 10 करीबी नेताओं को ही टिकट दिला सकी हैं।

इतना ही नहीं वो अपने ओएसडी डॉ। अजय चौधरी को भी टिकट नहीं दिला पाईं। ऐसे में हुड्डा खेमे के समर्थकों की ओर से की गईं टिप्पणियों से सैलजा नाराज मानी जा रहीं और चुनाव प्रचार से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में बसपा और बीजेपी ने कुमारी सैलजा के बहाने दलित वोटों को साधने का दांव चला है।

हरियाणा में करीब 21 फीसदी दलित मतदाता हैं। राज्य की कुल 90 में से दलित समाज के लिए 17 विधानसभा सीटें सुरक्षित हैं, लेकिन सियासी प्रभाव उससे कहीं ज्यादा है। कुमारी सैलजा के चुनावी कैंपेन से दूरी बनाए रखने के चलते दलित समुदाय में भी नाराजगी बढ़ सकती है। दलित वोटर किसी भी दल का खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत राज्य में रखते हैं। ऐसे में कुमारी सैलजा अगर कांग्रेस से दूरी बनाए रखती हैं तो कांग्रेस का चुनावी गेम बिगड़ सकता है, क्योंकि कांग्रेस जाट-दलित समीकरण के सहारे ही सत्ता का वनवास खत्म करना चाहती है। अब बसपा से लेकर बीजेपी तक ने सैलजा को मुद्दा बना दिया है।

सैलजा का किन सीटों पर प्रभाव

कुमारी सैलजा का सियासी प्रभाव पंचकूला, अंबाला, यमुना नगर , हिसार और सिरसा की 20 विधानसभा सीटों पर है। सैलजा की नाराजगी से इन सीटों पर पार्टी का समीकरण गड़बड़ा सकता है। ये सारी सीटें कांग्रेस की पारंपरिक सीटें रही हैं, क्योंकि, सिरसा से कुमारी सैलजा इस बार लोकसभा चुनाव जीती हैं और उनकी नारजगी का लाभ बसपा और बीजेपी उठाना चाहती हैं। इसीलिए उन्हें अपनी पार्टी में आने का खुला ऑफर दे रही है।

बीजेपी को क्या होगा लाभ

बीजेपी को कोटे के अंदर कोटे में आरक्षण देने से कई सीटें पर लाभ हो सकता है। दलित बहुल इन 15-20 सीटों पर बीजेपी की स्थिति अच्छी नहीं कही जा रही है। सैलजा अगर पार्टी में शामिल होती हैं तो इन सीटों पर बीजेपी अच्छा कर सकती है। चुनाव से ठीक पहले बीजेपी की हरियाणा सरकार ने दलित समुदाय को मिल रहे 20 फीसदी आरक्षण को दो हिस्सों में बांटकर बड़ा सियासी दांव चला है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 'पंचायत' के डायरेक्टर के साथ मिलाया हाथ, पर्दे पर दिखेगा भरपूर ड्रामा

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा अक्सर अपने लुक्स और स्टाइल की वजह से चर्चा में रहते हैं। सिद्धार्थ की फैन फॉलोइंग भी अच्छी खासी है। फैन्स उनकी हर फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। ऐसे में अब उनकी अपकमिंग फिल्म को लेकर अपडेट सामने आया है। जानकारी के मुताबिक सिद्धार्थ मल्होत्रा और एकता कपूर ने एक फीचर फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। वहीं इस फिल्म को वेब सीरीज पंचायत के प्रोड्यूसर दीपक मिश्रा डायरेक्ट करेंगे।

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का कंटेंट बहुत शानदार है। साथ ही ये ड्रामा और इमोशन से भरपूर फिल्म होने वाली है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक एकता कपूर और टीवीएफ ने बड़ी स्क्रीन पर यूनिक लेकिन प्रोफेशनल कहानियों को लाने के लिए साझेदारी की है। ऐसे में ये फिल्म बालाजी और टीवीएफ के बीच हुए सौदे का एक हिस्सा है।

एकता कपूर की फिल्म पर काम शुरू करने से पहले सिद्धार्थ मल्होत्रा दिनेश विजान की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म की शूटिंग पूरी करेंगे, जो नवंबर में शुरू होगी। इसके अलावा वो सैफ अली खान के साथ 'रेस 4' में भी नजर आएंगे। बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में 'रेस' फ्रेंचाइजी की सभी पिछली फिल्में लिखने वाले शिराज अहमद ने खुलासा किया कि 'रेस 4' की शूटिंग जनवरी 2025 में शुरु होगी। उन्होंने ये भी बताया कि सक्रिप्ट और कास्टिंग लगभग पूरी हो चुकी है। अहमद ने कहा कि सैफ अली खान और सिद्धार्थ मल्होत्रा की कास्टिंग का खुलासा हो गया है, लेकिन बाकी एक्टर्स की घोषणा मेकर्स बाद में करेंगे। 'रेस 4' में सैफ अली खान और सिद्धार्थ मल्होत्रा एक दूसरे को टक्कर देते नजर आएंगे। 'रेस 4' को बड़े पैमाने पर बनाने की प्लानिंग है। रमेश तौरानी और उनकी टीम को इस फ्रेंचाइजी पर बहुत भरोसा है। 'रेस' की पहली दो फिल्मों में सैफ लीड रोल में थे। हालांकि, फिल्म के तीसरे पार्ट में सलमान खान को लिया गया था। वहीं एक बार फिर से सैफ इस फ्रेंचाइजी में वापस आ रहे हैं।

आखिरी बार फिल्म 'योद्धा' में आए थे नजर

सिद्धार्थ मल्होत्रा आखिरी बार फिल्म 'योद्धा' में नजर आए थे। पुष्कर ओझा और सागर अम्ब्रे के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में सिद्धार्थ ने एक सैनिक की भूमिका निभाई, जो स्पेशल फोर्सेज का सदस्य है। इस फिल्म में उनके अलावा राशि खन्ना और दिशा पटानी भी दिखी थीं। सिद्धार्थ ने साल 2012 में आई फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से डेब्यू किया था। इसके लिए उन्हें बेस्ट मेल डेब्यू का अवॉर्ड भी मिला था।

कई फिल्में कर चुकी हैं प्रोड्यूस

बहरहाल, अब देखना होगा कि सिद्धार्थ, दीपक मिश्रा और एकत कपूर की इस फिल्म को लेकर आगे और क्या जानकारी सामने आती है। बॉलीवुड फिल्मों और हिंदी सीरियल्स में एकता का जाना माना नाम है। उन्होंने टीवी सीरियल्स के साथ कई फिल्में भी प्रोड्यूस की हैं। उन्होंने 'क्या कूल हैं हम', 'लव सेक्स और धोखा', 'रागिनी एमएमएस', 'द डर्टी पिक्चर', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' समेत कई फिल्मों को प्रोड्यूस किया है।

अमिताभ बच्चन के घरवालों को कैसी लगी थी 'कल्कि 2898 एडी'? खुद किया खुलासा

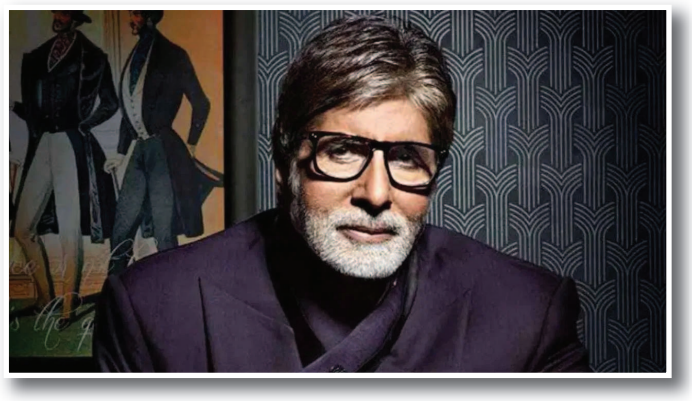

अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर 'कल्कि 2898 एडी' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। ये फिल्म पांच भाषाओं में आई थी। लोगों के बीच इसका जबरदस्त क्रेज देखने को मिला था। फिल्म को लोगों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अमिताभ बच्चन के घरवालों को ये फिल्म कैसी लगी थी। इस बात का खुलासा खुद अमिताभ ने किया है।

'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16' के हालिया एपिसोड में, अमिताभ बच्चन ने एक कंटेस्टेंट के साथ बातचीत के दौरान इस बारे में बताया कि उनके नाती और पोती को ये फिल्म कैसे लगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने नाती और पोती के साथ हाल ही में हॉलीवुड फिल्म 'इंटरस्टेलर' देखी, लेकिन उन्हें यह समझ में नहीं आई। जब उन्होंने यही बात अपने नाती और पोती को बताई तो उन्होंने बहुत ही चौंकाने वाला जवाब दिया। बिग बी ने खुलासा किया कि उन सबने उनसे कहा, "यहां तक कि हम भी कल्कि को नहीं समझ पाए।" हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि नातिन नव्या नंदा, नाती अगस्त्य नंदा और पोती आराध्या बच्चन में से किसने ऐसा कहा।

सैकनिल्क के अनुसार, 600 करोड़ रुपये के बजट में बनी 'कल्कि' ने दुनियाभर में 1041।65 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म को नाग अश्विन ने डायरेक्ट किया था। ये एक साइंस-फिक्शन थ्रिलर फिल्म है। अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा की भूमिका निभाई थी। कमल हासन फिल्म में विलेन के रोल में थे। प्रभास भैरवा के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म के VFX फ्यूचरिस्टिक अप्रोच के साथ डिजाइन किए गए थे। फिल्म में अलग तरह की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया था। कुछ नए गैजेट्स भी देखने को मिले थे।

नाग अश्विन 'कल्कि 2898 एडी' के दूसरे पार्ट को लेकर कई अपडेट्स दे चुके हैं। कुछ वक्त पहले उन्होंने बताया था कि उन्होंने फिल्म के दूसरे पार्ट के लिए 30 दिन की शूटिंग भी पूरी कर ली है। हालांकि, एक्शन वाला काफी हिस्सा बचा हुआ है। इसके अलावा डायरेक्टर ने ये भी कहा थी कि फिल्म के दूसरे पार्ट में कौन सी दुनिया दिखाई जाएगी, इस पर विचार किया जा रहा है। पहले हिस्से में काशी, कॉम्प्लेक्स और संभाला की कहानी दिखाई गई थी, जिसे काफी पसंद किया गया।

इस फिल्म में नजर आएंगे अमिताभ बच्चन

बहरहाल, अमिताभ की अपकमिंग फिल्म पर नजर डालें तो वो 33 साल बाद एक बार फिर से रजनीकांत के साथ बड़े पर्दे पर फिल्म 'वेट्टैयान' में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों पर रिलीज होगी। फिल्म 'वेट्टैयान' में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन के अलावा मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, राणा दग्गुबाती और फहाद फासिल भी दिखने वाले हैं। फिल्म को टीजे ज्ञानवेल ने डायरेक्ट किया है। पहले इस फिल्म की टक्कर 'कंगुवा' से होने वाली थी, लेकिन 'कंगुवा' मेकर्स ने अपनी फिल्म की रिलीज डेट को बढ़ाकर 14 नवंबर कर दिया है।

एसएसएमबी 29 के शीर्षक से उठा पर्दा? महेश बाबू-राजामौली की फिल्म के नाम पर टीम ने दिया मजेदार अपडेट

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली एसएसएमबी 29 के जरिए पहली बार साथ काम कर रहे हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर दर्शक लगातार नई जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के नाम को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर प्रशंसक अपडेट मांग रहे हैं। ऐसे में अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है।

एसएसएमबी वहीं अब फिल्म के नाम की चर्चा तेज हो गई है। भले ही निर्माताओं ने अभी तक फिल्म पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन एसएसएमबी 29 की स्टार कास्ट और क्रू के बारे में कुछ दिलचस्प अटकलें काफी समय से चल रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि अब अफवाहों का बाजार गर्म है कि प्रोजेक्ट का आधिकारिक शीर्षक लगभग तय हो गया है। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि एसएस राजामौली ने अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म का शीर्षक तय कर लिया है, जो महेश बाबू के साथ उनका पहला ऑनस्क्रीन सहयोग है।

भले ही निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन विजुअल डेवलपमेंट आर्टिस्ट टीपी विजयन के हालिया अपडेट ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। वे वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। तस्वीर में क्रू मेंबर ने गोल्डन ईगल विंग्स प्रॉप्स की एक जोड़ी की तस्वीर साझा की। इस बीच राजामौली का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने एक ड्रीम प्रोजेक्ट गरुड़ के बारे में बात करते हैं। भले ही निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन विजुअल डेवलपमेंट आर्टिस्ट टीपी विजयन के हालिया अपडेट ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। वे वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। तस्वीर में क्रू मेंबर ने गोल्डन ईगल विंग्स प्रॉप्स की एक जोड़ी की तस्वीर साझा की। इस बीच राजामौली का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने एक ड्रीम प्रोजेक्ट गरुड़ के बारे में बात करते हैं।

अब सोशल मीडिया पर अटकलें हैं कि महेश बाबू अभिनीत यह फिल्म भी वही प्रोजेक्ट हो सकती है और इसका नाम गरुड़ हो सकता है। इस बीच कुछ यूजर्स यह भी दावा कर रहे हैं कि एसएस राजामौली निर्देशित इस फिल्म में पौराणिक और काल्पनिक चीजें भी शामिल हो सकते हैं, जो गरुड़ से जुड़े हैं, जिसे भगवान विष्णु का वाहन माना जाता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर इस बारे में खबरें चल रही हैं, लेकिन एसएसएमबी 29 की टीम ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com